सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 298 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 10 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

चंदा मामा अब कितने दूर? चंद्रयान-3 के रूसी लूना-25 से टकराने का भी खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 जैसे-जैसे मून मिशन की तरफ तेजी से बढ़ रहा है, धुकधुकी बढ़ती जा रही है। दुनिया भर की नजरें इसरो के मून मिशन पर टिकी हैं। भारत का चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का 'अनुवर्ती' मिशन है जिसका उद्देश्य चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यान की सॉफ्ट लैंडिंग करना है। इसके अलावा चांद की सतह का पता लगाने के लिए एक रोवर तैनात करेगा। यह रोवर चांद की संरचना और जियोलॉजी पर डेटा एकत्र करेगा। वहीं, रूस का लूना-25 मिशन जिसे 11 अगस्त को लॉन्च किया जाना है। यह सात दिनों में चांद पर उतरने की कोशिश करेगा। चांद पर लैंडिग के पीछे रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस का उद्देश्य चांद के ध्रवीय रेजोलिथ की संरचना और चांद के ध्रवीय बाह्यमंडल के प्लाज्मा और धूल घटकों का अध्ययन करना है।

रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस स्पष्ट कर चुका है कि उसके और भारत के यान के आपस में टकराने की संभावना न के बराबर है। कहा कि चांद पर काफी स्पेस है, इसलिए किसी के भी मून मिशन को कोई खतरा नहीं है। रोस्कोस्मोस ने साफकिया कि लूना-25 के लिए प्राथमिक लैंडिंग साइट चंद्रमा के दक्षिणी ध्रव के पास है जो दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। वहीं, चंद्रयान-3 का लैंडिंग स्थल दक्षिणी क्षेत्र में स्थित है। 9 अगस्त को इसरो ने जानकारी दी थी कि दोपहर पौने दो बजे इसके ऑर्बिट को बदलकर 4 से 5 हजार किलोमीटर की ऑर्बिट में सफलतापूर्वक डाल दिया गया है। जैसे-जैसे यान चांद के करीब पहुंचेगा, उसकी गति को कम किया जाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि चांद पर पृथ्वी से 6 गूना कम गुरुत्वाकर्षण होता है। इसरो की कोशिश है कि चांद पर यान की सॉफ्ट लैंडिंग हो सके।

विस चुनाव जितवाना सांसदों की भी जिम्मेदारी, निश्चिंत होकर बैठ जाने से नहीं चलेगा काम-पीएम मोदी की दो टूक

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। सांसदों के साथ संवाद की कड़ी में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सांसदों की क्लास लगाई। एक दिन पहले ही गृहमंत्री अमित शाह 4 सर्वे रिपोर्ट लेकर राज्य के नेताओं को टटोल चुके थे। शाह की बैठक का मकसद जहां छत्तीसगढ़ में फिर से सरकार बनाना था तो वहीं पीएम मोदी की क्लास विधानसभा और लोकसभा दोनों चुनावों पर केन्द्रित रही। इस दौरान पीएम ने पूछा कि राज्य में चुनाव जीतने के लिए उनकी क्या तैयारी है? मोदी ने साफ कहा कि सांसद यह सोचकर निश्चिंत न बैठें कि विधानसभा का चुनाव है और उन्हें इससे वास्ता नहीं है। यह सांसदों की भी जिम्मेदारी है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बने। इसके लिए जमीन पर उतरकर काम करना होगा। मोदी ने केन्द्र सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने और विपक्षी गठबंधन को बेनकाब करने के भी टिप्स दिए।

भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विधानसभा और लोकसभा चुनाव को लेकर मिशन मोड पर है। इसके लिए जोरदार तैयारियां भी शुरू कर दी गई है। बुधवार को पीएम मोदी ने एनडीए सांसदों के साथ संवाद की मुहिम के तहत छत्तीसगढ़ के लोकसभा व राज्यसभा सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव और राज्य में इस वर्ष के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दो टूक कहा कि विधानसभा चुनाव जिताना सांसदों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने सांसदों को विधानसभा चुनाव में जुटने की नसीहत देते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में सांसदों की भी जवाबदेही तय होगी। कोई भी सासंद यह सोचकर निश्चिन्त न बैठे कि यह विधानसभा चुनाव है और इससे उनका क्या लेना-देना है? प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में आने वाली विधानसभाओं में पार्टी को जीत दिलाने के लिए सभी सांसदों को जुट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजों का असर लोकसभा टिकट पर भी पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों को सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं का अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार करने की हिदायत देते हुए जनता के बीच जाकर विपक्षी गठबंधन को बेनकाब करने को भी कहा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन के लिए एक बार फिर 'घमंडिया' गठबंधन शब्द का प्रयोग करते हुए सांसदों को जनता के बीच जाकर यह बताने को कहा कि किस तरह से यह घमंडिया गठबंधन देश की संसद को नहीं चलने दे रहा है और इसकी वजह से देश का कितना पैसा बर्बाद हो रहा है। उन्होंने विधानसभा चुनाव के साथ-साथ आगामी लोकसभा चुनाव में भी जीतने का दावा किया। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत मोदी सरकार के कई अन्य मंत्री और राज्य के सांसद मौजूद रहे। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में मिलेट्स से बने व्यंजनों और ग्वालियर के मशहूर लड्डू की व्यवस्था की गई थी।

गौरतलब है कि पीएम की इस बैठक से ठीक एक दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेताओं की बैठक लेकर उनसे वस्तुस्थिति की खबर ली थी। करीब 4 घंटे तक चली इस बैठक में छत्तीसगढ़ के प्रभारी ओम माथुर, केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव, अजय जामवाल, शिवप्रकाश, पवन साय और डॉ. रमन सिंह शामिल हुए। इस दौरान शाह ने अब तक करवाए गए 4 सर्वे की रिपोर्ट को लेकर सवाल जवाब भी किए। उन्होंने स्थानीय नेताओं को दिए गए टास्क की प्रगति की भी जानकारी ली। जानकारियों के मुताबिक, अमित शाह के निर्देश पर हर बूथ से 24 बिंदुओं पर जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें मंदिर से लेकर पुजारी और प्रभावी नेताओं का बूथ वाइज डाटा तैयार किया जा रहा है। इसे 15 अगस्त तक पूरा कर लेना था, लेकिन बताया जा रहा है कि कई जिलों से डाटा नहीं मिल पाया है। ऐसे में शाह ने 15 दिन का और अतिरिक्त समय दिया है।

सांसदों को भी उतारने के संकेत

पीएम मोदी ने सांसदों को भी विधानसभा चुनाव लड़ने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि राज्य में पहले विधानसभा के चुनाव होने हैं और सरकार बनाने के लिए सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतरना चाहिए। भाजपा के सीनियर नेताओं के छत्तीसगढ़ दौरों के दौरान ऐसे संकेत पहले भी मिल चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि पार्टी अपने कई सांसदों को इस बार विधानसभा चुनाव लड़वा सकती है। इनमें लोकसभा के साथ ही राज्यसभा सांसदों के नाम भी शामिल हैं। ज्ञात हो कि पार्टी ने राज्य में चुनाव जीतने के लिए 5 सूत्रीय फार्मूला बनाया है। इसके तहत घर-घर दस्तक देकर मतदाताओं से सम्पर्क, समाज प्रमुखों के साथ सम्मेलन, केन्द्र सरकार की उपलब्धियों का बखान, पीएम समेत केन्द्रीय नेताओं की सभाएं करवाने और प्रभावशाली लोगों को संगठन से जोड़ने जैसे टास्क शामिल हैं।

नसीहत एकजुटता की, गुजबाजी का क्या?

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री भले ही छत्तीसगढ़ के नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने की नसीहत दे रहे हों, किन्तु राज्य के नेताओं में आपसी सामंजस्य का अभाव लम्बे समय से दिखता रहा है। खासकर क्षेत्र में वर्चस्व को लेकर गुटबाजी चलती रही है। कई संसदीय क्षेत्रों में विधायकों या सीनियर नेताओं के साथ सांसदों की पटरी नहीं बैठती। ऐसे में सवाल उठता है कि उन्हें टिकट मिलने की स्थिति में क्या सांसद मैदान में उतरकर काम कर पाएंगे?

आमतौर पर देखा गया कि सांसद अपने समर्थकों को टिकट दिलवाने की कोशिश करते हैं। यदि समर्थक को टिकट मिल जाती है तो दूसरा गुट निपटाने में जुट जाता है। यदि टिकट नहीं मिलती तो सांसद का गुट विरोध में सक्रिय रहता है। पार्टी के जानकारों का मानना है कि वरिष्ठ नेताओं को इस दिशा में सर्वप्रथम पहल करनी चाहिए। जिनकी अनुशंसा पर टिकट मिलती है, उनकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में मेहरा और माहरा समुदाय एसटी की सूची में शामिल, शिक्षा और नौकरी में मिल सकेगा आरक्षण का लाभ

नई दिल्ली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मेहरा और माहरा समुदाय को अनुसूचित जनजातियों (scheduled tribes) की सूची में शामिल किया गया है। दरअसल, इन दो समुदायों को एसटी की सूची में शामिल करने से संबंधित संविधान अनुसूचित जातियां आदेश (संशोधन) विधेयक 2023 को आज राज्यसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसको पहले ही पारित कर चुकी है। इस तरह आज इस पर संसद की मुहर लग गई।

भोजनावकाश तक के स्थगन के बाद कार्यवाही शुरू होने पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने इस विधेयक को सदन में पेश किया। इस पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की अनुशंसा पर इन दोनों समुदाय को जनजातियों की सूची में शामिल करने का प्रावधान किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि मध्य प्रदेश में ये जातियां पहले ही जनजातियों की सूची में शामिल की जा चुकी हैं जबकि मात्रा में गड़बड़ी के कारण छत्तीसगढ़ में इनको अनुसूचित जनजातियों में शामिल नहीं किया जा सका था। अब इस संशोधन के बाद ये दोनों इस सूची में शामिल हो जाएगी।

इसके बाद सदन ने विपक्ष की अनुपस्थिति में इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस सूची में शामिल होने से इन दोनों जातियों को शिक्षा के साथ ही नौकरी में भी आरक्षण का लाभ मिल सकेगा।

संसदीय सचिव ने खोला बांध का गेट, सूखे की मार झेल रहे खेतों को राहत, अंतिम खेत तक पहुंचेगा पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन के संसदीय सचिव एवं विधायक कुंवर सिंह निषाद फिर एक बार चर्चा में है। उन्होंने किसानों की समस्या सुनी और खरखरा बांध का गेट खोलकर खेतों के लिए पानी छोड़ा और क्षेत्र के किसानों को भरोसा दिलाया कि जब तक पर्याप्त पानी मिल नहीं जाता नहर से पानी देते रहेंगे। पानी छोड़े जाने की जानकारी पाते ही किसान अपने-अपने खेतों तक पानी पहुँचाने के लिए जुट गए। घिना के किसान रामचंद्र पटेल ने बताया कि धान की बोवाई के बाद जितने पानी की जरूरत थी मिल नहीं पाया। जिनके पास बोर है वे तो सिंचाई कर ले रहे हैं। लेकिन जिनके पास बोर नहीं है वे सूखे की मार झेल रहे थे। जब यह बात संसदीय सचिव को पता चला तो उन्होंने तत्काल सिंचाई विभाग को पत्र लिखा और आज स्वयं उन्होंने बांध का गेट खोल कर पानी उपलब्ध कराया।

65 गांव के लोगों को राहत, 12,145 हेक्टेयर में सिंचाई

सिंचाई विभाग के एसडीओ अजय सोनी ने बताया कि बड़गांव से मोहंदीपाठ क्षेत्र तक 65 गांव के 10,000 से अधिक किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाया जा रहा है। इससे 12,145 हेक्टेयर में सिंचाई होगा। अभी 250 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जैसे-जैसे पानी आगे बढ़ेगा 400 क्यूसेक तक खोला जाएगा। संसदीय सचिव ने निर्देशित किया है जब तक अंतिम खेतों तक पानी पहुंच नहीं जाता। किसानों को पानी दिया जाए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, गोला बारूद के साथ तीन संदिग्ध पकड़े

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। दक्षिण कश्मीर में सतर्क सेना के जवानों ने बीती रात तीन लोगों को युद्ध जैसी वस्तुओं के साथ पकड़ा है। पुलिस और जवान आरोपियों से पूछताछ में जुटे हैं। एएनआई के अनुसार, जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सेना ने ऑपरेशन चलाया। जिसमें व्यक्ति के कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड और 56 जिंदा राउंड के साथ दो एके मैगजीन बरामद की गईं। उन्हें खानसाहिब थाने के वागर इलाके से पकड़ा गया। पूछताछ जारी है।

आईसीसी ने जारी किया नया वर्ल्ड कप शेड्यूल भारत-पाकिस्तान महामुकाबले की तारीख बदली

नईदिल्ली। आईसीसी ने वनडे विश्व कप 2023 का नया शेड्यूल जारी कर दिया है। 27 जून को आईसीसी ने शेड्यूल जारी किया था। जिसमें अब कुछ सुधार किया गया है। यह टूर्नामेंट पांच अक्तूबर से 19 नवंबर के बीच भारत में खेला जाएगा, लेकिन कुछ मैचों की तारीख बदल गई हैं। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियंस इंग्लैंड और उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच ही होगा। यही दोनों टीमें 2019 विश्व कप के फाइनल में आमने-सामने थीं। यही दोनों टीमें अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पांच अक्तूबर को टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेंगी। वहीं, भारत का पहला मैच आठ अक्तूबर को चेन्नई के मैदान में ऑस्ट्रेलिया के साथ होगा। कुल नौ मैचों को री-शेड्यूल किया गया है। भारत-पाकिस्तान के बीच महामुकाबला अब 15 अक्तूबर को नहीं बल्कि 14 अक्तूबर को खेला जाएगा।

जिन नौ मैचों के शेड्यूल में बदलाव हुआ, उनमें से आठ मैचों की तारीखें बदली गयीं, जबकि एक मैच के समय में बदलाव किया गया है। भारत और पाकिस्तान का मैच अब 15 अक्तूबर की बजाय 14 अक्तूबर को खेला जाएगा। इस वजह से 14 अक्तूबर को इंग्लैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाला मैच 15 अक्तूबर को होगा। पाकिस्तान और श्रीलंका का मैच अब 12 अक्तूबर की बजाय 10 अक्तूबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका का मैच 13 अक्तूबर की बजाय 12 अक्तूबर को होगा। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश का मैच 14 अक्तूबर की बजाय 13 अक्तूबर को होगा। इंग्लैंड और बांग्लादेश के बीच धर्मशाला में होने वाला मैच दोपहर की बजाय सुबह 10.30 बजे शुरू होगा। भारत-पाकिस्तान के अलावा टीम इंडिया के नीदरलैंड के खिलाफ मैच को भी री-शेड्यूल किया गया।

भारत के 10 शहरों में होंगे मुकाबले

विश्व कप के मैच भारत के 10 शहरों में खेले जाएंगे। हैदराबाद, अहमदाबाद, धर्मशाला, दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ, पुणे, बेंगलुरु, मुंबई और कोलकाता में मुकाबले हैं। हैदराबाद के अलावा गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम 29 सितंबर से 3 अक्तूबर तक अभ्यास मैचों की मेजबानी करेंगे। इस विश्व कप में कुल 10 टीमें भाग लेंगी। श्रीलंका और नीदरलैंड की टीमें क्वालिफायर्स के तहत इस टूर्नामेंट में पहुंची हैं।

इन मैचों को री-शेड्यूल किया गया

आईसीसी द्वारा इन मैचों के शेड्यूल में किया गया बदलाव

- 10 अक्तूबर : इंग्लैंड बनाम बांग्लादेश (समय में बदलाव)
- 10 अक्तूबर : पाकिस्तान बनाम श्रीलंका (पहले यह मैच 12 अक्तूबर को होना था)
- 12 अक्तूबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका (पहले यह मैच 13 अक्तूबर को होना था)
- 13 अक्तूबर : न्यूजीलैंड बनाम बांग्लादेश (पहले यह मैच 14 अक्तूबर को होना था)
- 14 अक्तूबर : भारत बनाम पाकिस्तान (पहले यह मैच 15 अक्तूबर को होना था)
- 15 अक्तूबर : इंग्लैंड बनाम अफगानिस्तान (पहले यह मैच 14 अक्तूबर को होना था)
- 11 नवंबर :ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश (पहले यह मैच 12 नवंबर को होना था)
- 11 नवंबर : इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान (पहले यह मैच 12 नवंबर को होना था)
- 12 नवंबर : भारत बनाम नीदरलैंड (पहले यह मैच 11 नवंबर को होना था)

मणिपुर से प्लाइंग किस तक उड़ता भाला

श्रीकंचनपथ

राहुल गांधी ने संसद में धमाकेदार वापसी की है। अविश्वास प्रस्ताव पर उनकी दहाड़ ने मृतप्राय विपक्ष में जान फूंक दी है। विपक्ष भले ही राहुल को 'पप्पू' कहता हो, पर इस बार पप्पू पास हो ही गया। उसने मणिपुर में हो रही हिंसा और प्रधानमंत्री की चुप्पी पर करारा हमला किया। राहुल ने कहा कि मणिपुर में देश की हत्या हो रही है, भारत माता की हत्या हो रही है। केन्द्र ने वहां हिंसा रोकने के लिए कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री की तुलना रावण से करते हुए राहुल ने कहा कि रावण केवल मेघनाद और कुंभकरण की सुनता था। प्रधानमंत्री भी केवल शाह और अदानी की सुनते हैं। राहुल ने यह भी कहा कि लंका को हनुमान ने नहीं बल्कि रावण के अहंकार ने जलाया था। रावण का अंत भी उसके अहंकार के चलते हुआ। भारत जोड़ो यात्रा के आरंभ में वह स्वयं अहंकार के वशीभूत थे। वो अपनी बात कहने के लिए निकले थे। पर जल्द ही उन्हें अपनी गलतियों का अहसास हो गया और उन्होंने लोगों की सुनना शुरू कर दी। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार पूरे देश में केरोसीन छिड़क रही है जिसे सिर्फ एक चिंगारी की जरूरत है। 'मन की बात' और जलते मणिपुर पर अपनी बात रखने के बाद उन्होंने संसद की तरफ एक 'फ्लाइंग किस' उछाला। राहुल के तीखे व्यंगबाणों के आगे निरुत्तर भाजपा के सांसद केवल यही कहते रह गए कि वे सूद सहित राहुल को जवाब देंगे। पर भाई लोग यह भूल गए कि सूद समेत वापस करने के लिए पहले मूल को स्वीकार करना पड़ता है। अर्थात आरोप भाजपा को स्वीकार है और अब वे कांग्रेस के गड़े मुर्दे निकालकर लाएंगे। यह उनकी पुरानी फितरत है और देश की भरे पेट वाली जनता का आजकल फेवरिट टाइमपास भी है। पूरा सोशल मीडिया और तमाम वेबसाइट इस गंद से भरा पड़ा है। इस सबके बीच भाजपा की फायर ब्रांड नेता ने केवल राहुल गांधी की 'फ्लाइंग किस' को पकड़ा। उसने कहा कि महिलाओं वाली संसद में इस तरह से चुम्बन उछालना महिला सांसदों का अपमान है। राहुल ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उनकी परवरिश पश्चिमी सभ्यता के तहत हुई। चुम्बन पर पूरब या पश्चिम - किसी का भी एकाधिकार नहीं है। लोग अपनी बेटियों का, छोटी बहनों का भी माथा चूमते हैं। इसे 'बैड टच' कहने की सोच भी पश्चिम से आई है। वैसे सनातन के झंडाबरदारों ने अपना शिकायती पत्र अंग्रेजी में ही लिखा है। इसपर अपने हस्ताक्षर घसीटने वाली अभिनेत्री हेमामालिनी ने बाद में स्वीकार किया है कि उन्होंने राहुल की फ्लाइंग किस वाली हरकत नहीं देखी। सीसीटीवी फुटेज भी बता रहा है कि 'फ्लाइंग किस' उस सदन के लिए एक प्यार भरा जेस्चर था, जहां कि निष्कासन होने के बाद दोबारा उनकी वापसी हुई थी। पर जिन्हें बहस की दिशा बदलने की आदत सी पड़ चुकी हो, उन्हें 'उड़ता भाला' पकड़ने से कौन रोक सकता है?

संपादकीय

केरल से केरलम

नए नाम की ध्वनि में एक मधुरता है, केरल राज्य का नाम केरलम होने जा रहा है। नाम बदलने की चर्चा पहले भी होती रही है और अब केरल की विधानसभा ने भी इस पर मुहर लगा दी है। नाम बदलने संबंधी प्रस्ताव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने सदन में पेश किया और सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इसे पारित कर दिया। प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मलयालम में हमारे राज्य का नाम केरलम ही है। तथ्य है कि 1 नवंबर, 1956 को देश में भाषायी आधार पर राज्यों का गठन किया गया था। इसी दिन केरल का स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। यह भी एक तथ्य है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ही सभी मलयालमभाषी लोगों के लिए एक संयुक्त केरल राज्य बनाने की मांग की गई थी, जिसे तब की सरकार ने मान लिया था। स्थानीय स्तर पर साहित्य व संस्कृति के क्षेत्र में केरलम नाम की चर्चा होती है, पर आम तौर पर देश में इसकी चर्चा कम ही हुई है। अब यथोचित प्रक्रिया का पालन करते हुए केरल सरकार ने केंद्र सरकार से संविधान की आठवीं अनुसूची के तहत सभी आधिकारिक भाषाओं में राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के लिए जरूरी संशोधन का अनुरोध किया है। जाहिर है, केंद्र सरकार को अगर यह प्रस्ताव मंजूर हुआ, तो दक्षिण के इस सुंदरतम राज्य का नाम पहले की तुलना में ज्यादा सुंदर और संगीतमय हो जाएगा। वैसे पश्चिम बंगाल सरकार ने भी अपने राज्य का नाम बदलकर बांगला रखने का प्रस्ताव कर रखा है। लगभग हर साल देश में अनेक गांवों और शहरों के नाम बदलते रहते हैं, लेकिन राज्य के नाम बदलने का फैसला कम ही होता है। यह कोई पहला मामला नहीं है, जब किसी राज्य का नाम बदला है। स्वयं केरल क्षेत्र का नाम 1 नवंबर 1956 से पहले त्रावणकोर-कोचीन हुआ करता था। मध्य प्रदेश का नाम पहले मध्य भारत था। तमिलनाडु का नाम मद्रास स्टेट था। कर्नाटक क्षेत्र पहले मैसूर राज्य कहलाता था। हाल के वर्षों की बात करें, तो उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड हुआ। उड़ीसा बदलकर ओडिशा हो गया। उसके पहले नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) का नाम अरुणाचल प्रदेश किया गया। केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी का पुडुचेरी कर दिया गया। जनभावनाओं के अनुरूप नाम बदलने की प्रक्रिया कतई गलत नहीं है और सत्तारूढ़ राजनीतिक दल उसी के अनुरूप मांग करते रहे हैं। नाम की अपनी राजनीति भी है और रणनीति भी। किसी की पहचान के साथ उसके नाम की बड़ी भूमिका होती है। बांगला और केरलम जैसे नाम अपने-अपने राज्य की पहचान को पुष्ट करने वाले हैं। नाम बदलने का यह दौर नया नहीं है, पर इधर के वर्षों में यह प्रक्रिया तेज हो गई है। भाजपा ही नहीं, वामपंथी पार्टियों को भी नाम बदलने से कोई परहेज नहीं है। केरल से केरलम करने का फैसला उस राज्य की वाम सरकार ने ही लिया है। नाम बदलने का फैसला पारंपरिक के साथ-साथ आधुनिकता का भी परिचायक है। दरअसल, यह अपनी पुरानी और सशक्त पहलुओं की खोज भी है। जब हम कुछ सक्षम हुए हैं, तब हम परंपरागत और आधुनिक, दोनों ही तरह की अपनी खूबियों को साथ लिए आगे बढ़ना चाहते है। हमें सजग रहना होगा, केवल सुंदर और सारगर्भित नाम की तलाश और स्थापना से ही हम खुशहाल नहीं हो जाएंगे। नाना प्रकार की गुलामियों से उबरने के बाद हमें अपने समाज और उसके सम्मान को उसकी व्यापक पहचान के अनुरूप ही संवारना होगा, तभी कोई नाम सार्थक होगा।

> मध्य प्रदेश का नाम पहले मध्य भारत था। तमिलनाडु का नाम मद्रास स्टेट था। कर्नाटक क्षेत्र पहले मैसूर राज्य कहलाता था। हाल के वर्षों की बात करें, तो उत्तरांचल का नाम उत्तराखंड हुआ। उड़ीसा बदलकर ओडिशा हो गया। उसके पहले नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) का नाम अरुणाचल प्रदेश किया गया। केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी का पुडुचेरी कर दिया गया। जनभावनाओं के अनुरूप नाम बदलने की प्रक्रिया कतई गलत नहीं है और सत्तारूढ़ राजनीतिक दल उसी के अनुरूप मांग करते रहे हैं।

अब फिर राहुल की राजनीति होगी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि मामले में दो साल की सजा होने और लोकसभा के लिए अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उनको लेकर दो तरह से विचार किया जा रहा था। एक, अगर उनकी सजा पर रोक नहीं लगती है और वे अगला चुनाव नहीं लड़ पाते हैं तो क्या होगा? दो, सजा पर रोक लग जाती है, लोकसभा की सदस्यता बहाल हो जाती है और अगला चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो जाता है तब क्या होगा? कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों के कई नेता मान रहे थे कि अगर राहुल की सजा बरकरार रहती है और वे चुनाव नहीं लड़ पाते हैं तो वह स्थिति ज्यादा बेहतर होगी क्योंकि तब राहुल को पूरे देश में विक्टिम की तरह पेश किया जा सकेगा, जैसे अरविंद केजरीवाल बात बात पर खुद को विक्टिम बना कर पेश करते रहते हैं। ध्यान रहे पीड़ित और कमजोर के साथ हमेशा इस देश के लोगों की सहानुभूति होती है।

राहुल ने भी खुद को विक्टिम की तरह पेश करना शुरू कर दिया था। वे पिछले दिनों हरियाणा के किसानों से मिले तो महिला किसानों ने उनका घर देखने की इच्छा जताई, जिस पर उन्होंने कहा कि उनके पास दिल्ली में घर नहीं है। सरकार ने उनका घर छीन लिया है। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में घर तलाशने और संदीप दीक्षित का घर किराए पर लेने की खबर भी राहुल को विक्टिम बता कर पेश करने की रणनीति का ही एक हिस्सा था। बहरहाल, घर का मामला एक छोटा मामला है। उनके विक्टिम होने को बहुत बड़ा बता कर चुनाव में पेश किया जा सकता था। सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने के आरोप तो लगते ही यह भी आरोप लगता कि नरेंद्र मोदी चुनाव में राहुल गांधी से घबरा रहे थे इसलिए उनको लड़ने के अयोग्य कराया गया। इससे कांग्रेस को फायदा होता। विपक्षी राजनीति को दूसरा फायदा यह होता कि राहुल गांधी अपने आप प्रधानमंत्री पद की होड़ से बाहर हो जाते। वे अगर विपक्ष का चेहरा रहते भी तो वह चेहरा सत्ता से निर्लिप्त जयप्रकाश नारायण जैसे किसी नेता का चेहरा होता।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी है और अब उनके लोकसभा का चुनाव लड़ने का रास्ता भी साफ हो गया है। उनको फिर से बड़ा घर भी मिल जाएगा। सो, विक्टिम कार्ड समाप्त हो गया। तभी सवाल है कि अब आगे क्या? क्या कांग्रेस ने इस स्थिति के लिए कोई योजना बनाई है कि सजा पर रोक लगने के बाद राहुल को विपक्ष की राजनीति में किस तरह से प्लेस करना है? ध्यान रहे राहुल गांधी को सक्रिय राजनीति में 20 साल होने जा रहे हैं लेकिन पिछले एक साल में वे एक बड़ा राजनीतिक व्यक्तित्व बन कर उभरे हैं। उनकी साढ़े तीन हजार किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा ने उनके व्यक्तित्व और उनकी राजनीति को निखारा है। कांग्रेस को इसका चुनावी लाभ भी मिला है। भारत जोड़ो यात्रा में उठाए गए मुद्दों और उन मुद्दों पर दुनिया के दूसरे देशों में जाकर राहुल ने अपनी जो राय रखी है उसने उनको भाजपा की राजनीति के सबसे मजबूत विकल्प के तौर पर पेश किया है। विपक्ष की ओर से भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने और संघवाद की धारणा पर चोट करने के आरोप लगाए जाते रहे हैं। भाजपा की इस राजनीति के कंट्रास्ट के रूप में राहुल गांधी उभरे हैं। नफरत की राजनीति के बरक्स मोहब्बत की दुकान की राहुल की राजनीति स्वाभाविक रूप से उनको भाजपा के खिलाफ विपक्ष का चेहरा बनाती है।

परंतु इस राजनीति में जोखिम भी हैं। पहला जोखिम तो यह है कि अगर कांग्रेस राहुल गांधी को वैकल्पिक राजनीति का चेहरा बनाती है तो मुकाबला नरेंद्र मोदी बनाम राहुल का बनेगा। पिछले नौ-दस साल में नरेंद्र मोदी की छवि विश्वगुरू वाली बनाई गई है। जी-20 देशों की बैठक से उनकी यह छवि और मजबूत होगी। वे हिंदुत्व और राष्ट्रवाद दोनों की राजनीति का चेहरा बने हैं।

> मिसाल के लिए, इयान फ्लेमिंग द्वारा रचे गए नायक 'जेम्स बॉन्ड' को ही लीजिए। 1960 के दशक में धूम्रपान करने वाला शराबी, महिलाओं के पीछे भागने वाला कुंवारा बाद में धूम्रपान छोड़कर एक संवेदनशील और प्रतिबद्ध पिता बन गया। जेम्स बॉन्ड की शृंखला यह दर्शाती है कि समय के साथ समाज क्या मंजूर करता है और किससे घृणा करता है।

मत सोचिए कि मेरा क्या बिगड़ जाएगा

रघु रमन, फेलो, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन

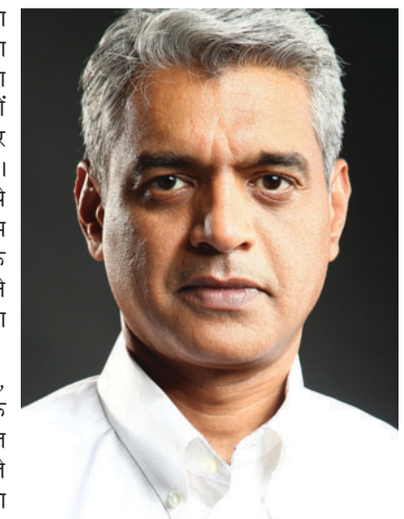

आपने क्या कभी दो-लेन वाली सड़क पर ट्रैफिक जाम में धैर्यपूर्वक इंतजार किया है? क्या आपने देखा है कि कोई दूसरा वाहन गलत ढंग से आपसे आगे निकल गया और सड़क को पहले से ज्यादा जाम कर दिया? क्या आपने देखा है कि कॉलोनियों में आपके पड़ोसी अपने घर के सामने सड़क का अतिक्रमण कर रहे हैं? क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि कोई वाट्सएप ग्रुप किसी खास मकसद से शुरू किया गया था, पर कुछ लोगों ने अपने एजेंडे के लिए उस पर कब्जा कर लिया, उसमें चल रहे संदेशों पर एकाधिकार कर लिया, जिससे उस समूह की एकजुटता खत्म हो चुकी है? हमारे वाट्सएप समूहों में आए दिन ऐसा होता है। कुछ सदस्यों को समूह से बाहर कर दिया जाता है और वह समूह टूट जाता है, फिर एक ही समूह के अनेक उप-समूह बन जाते हैं। यदि आपको इनमें से कोई भी अनुभव हुआ है, तो इसका मतलब है, आपने भी 'ट्रेजेडी ऑफकॉमन्स' या आम लोगों की त्रासदी का अनुभव किया है। ऐसी घटनाओं का गहरा अध्ययन जीव विज्ञानी गैरेट हार्डिन ने किया है।

इस घटना को हार्डिन के एक उदाहरण से सबसे अच्छी तरह से समझा जा सकता है। जहां एक साझा चरागाह है, जिसमें ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने के लिए राजी होते हैं। यदि सभी ग्रामीण अपना वादा निभाएं, तो यह व्यवस्था सही चल सकती है। भले ही कुछ लोग लापरवाही बरतें और अपने मवेशियों को जरूरत से ज्यादा समय चरने दें, पर तब भी व्यवस्था काम करती रहती है। हालांकि, एक बार जब चोरी-छिपे किया जाने वाला गलत व्यवहार चरम पर पहुंच जाता है, तब कुछ लोगों के स्वार्थ के चलते पर्यावरण विनाश होने लगता है, जिससे हर कोई साझा सुविधा या व्यवस्था से वंचित होने लगता है।

मामला वनों की कटाई का हो, प्रदूषण, पानी की कमी, अत्यधिक मछली पकड़ने या कॉरपोरेट राजनीति का हो, हर जगह कुछ लोग नियम तोड़ते हैं और जल्द ही बाकी सब लोग उनका अनुसरण करने लगते हैं। मानव व्यवहार का कमजोर पहलू ऐसी गिरावट को और बढ़ा देता है, लेकिन अपने में मस्त रहने की लापरवाह प्रवृत्ति जब चरम पर पहुंचती है, तो सब कुछ बदल जाता है।

याद कीजिए, 1994 में गुजरात का सूरत शहर प्लेग की चपेट में आ गया था। लगभग 60 लोगों की मौत हुई थी। उस त्रासदी ने ऐसे प्रेरित किया कि सबने मिलकर शहर को साफ किया। सूरत में हुआ बदलाव एक 'केस स्टडी' बन गया। ध्यान रहे, प्लेग रातोंरात नहीं आया था। शहर में लाखों टन कचरा सड़ रहा था, तो चूहे भी बेहिसाब हो गए थे। वहां भी आम लोग तभी जागे या कूड़ा जनित त्रासदी का चक्र तभी टूटा, जब गंदगी या प्लेग के प्रति उदासीनता चरम पर पहुंच गई। हालांकि, किसी शहर को साफकरने के लिए वैसे प्लेग की कतई जरूरत नहीं है, जैसे हथियार अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर के लिए परमाणु नरसंहार की जरूरत नहीं है। जागरूकता बढ़ने से भी लोगों की मानसिकता बदल सकती है।

मिसाल के लिए, इयान फ्लेमिंग द्वारा रचे गए नायक 'जेम्स बॉन्ड' को ही लीजिए। 1960 के दशक में धूम्रपान करने वाला शराबी, महिलाओं के पीछे भागने वाला कुंवारा बाद में धूम्रपान छोड़कर एक संवेदनशील और प्रतिबद्ध पिता बन गया। जेम्स बॉन्ड की शृंखला यह दर्शाती है कि समय के साथ समाज क्या मंजूर करता है और किससे घृणा करता है। समय के साथ किसी चीज के खिलाफ समाज में धीरे-धीरे गुस्सा जमा हो सकता है और वह मी-टू आंदोलन या अरबस्प्रिंग क्रांति की तरह भड़क सकता है। समय बदलता है, जब कुछ बिंदुओं पर बहुत से लोग यथास्थिति को स्वीकार करने से मना कर देते हैं। सरकारों और कंपनियों को भी दशा-दिशा बदलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। देश में चला तंबाकू विरोधी आंदोलन इसका एक उदाहरण है। 2000 के दशक की शुरुआत तक तंबाकू सेवन एक सहज जीवनशैली के तहत मान्य था, पर समय बदला, तंबाकू से खतरे के प्रति समाज जागा और अब तंबाकू को बहुत निंदा व प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध और नशे के पदार्थ के पैकेट पर छपने वाली आकर्षक छवियों और भ्रामक संदेशों को हटाना पड़ा है। धूम्रपान के दुष्परिणामों पर जन जागरूकता अभियान चलाना पड़ा है। अब तो इस मामले में जागरूकता ऐसे स्तर पर पहुंच गई है, जहां निवेशक कंपनियां भी निवेशकों को आश्वासन देने लगी हैं कि उनका धन कभी भी तंबाकू संबंधी कंपनियों में नहीं लगाया जाएगा। यह सब दर्शाता है कि जब एक चीज की अति हो जाती है, तब बदलाव मुमकिन होता है।

एक राष्ट्र के रूप में हम सब अनेक त्रासदियों का सामना करते रहते हैं। आज जलवायु परिवर्तन का खतरा सचमुच हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रहा है। प्रतिकूल मौसम के चलते बाढ़ और अन्य प्रकार की तबाही मच रही है, जिससे अनेक जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ रही हैं। धन का असमान वितरण और युवा आकांक्षाओं व जमीनी हकीकत के बीच गहरी होती खाई चिंताजनक है। आज अनेक राज्यों में आंतरिक सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक है। अगले कुछ महीने चुनाव प्रचार के शोरगुल में डूबे रहने वाले हैं, जिसमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मुद्दों के बजाय लड़ाई या संघर्ष के मुद्दों पर अधिक ध्यान जाएगा।

आम लोगों की त्रासदी की विडंबना यह है कि ज्यादातर लोग अपने व्यक्तिगत जुड़ाव या भागीदारी को समग्र रूप से प्रभावी नहीं मानते हैं। सामान्य सोच यह है कि किसी एक व्यक्ति के योगदान या असहमति से क्या फर्क पड़ता है? ध्यान रहे, किसी चरागाह में नियम के उल्लंघन का मामला हो, पर्यावरण या प्रदूषण का मामला हो, सार्वजनिक चर्चा के स्तर में गिरावट का मामला हो, कानून-व्यवस्था की कमजोरी या किसी वाट्सएप समूह को हड़प लिए जाने का मामला हो, यह कुछ व्यक्तियों से ही शुरू होता है, जो नियमों को तोड़ते हैं और बाद में कई लोग देखा-देखी वैसा ही करने लगते हैं। अक्सर, लोग आंखें चुरा लेते हैं कि एक अकेले मेरे न बोलने से क्या बिगड़ जाएगा?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पाकिस्तान को गुरबत से नहीं निकाल सके शहबाज शरीफ

सुशांत सरीन, पाकिस्तान विशेषज्ञ

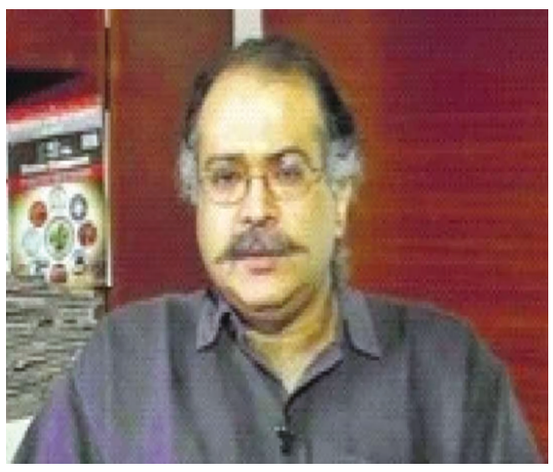

अगस्त की 9 तारीख को पाकिस्तान की नेशनल असेंबली (संसद) को भंग करने संबंधी सरकारी एलान के राजनीतिक अर्थ थे। असल में, शहबाज शरीफ सरकार का कार्यकाल 12 अगस्त को खत्म हो रहा है। तय वक्त पर यदि संसद भंग होती, तो संविधान के अनुसार, 60 दिनों के भीतर चुनाव करवाना अनिवार्य हो जाता। मगर समय से पहले इसे भंग करने पर चुनाव के लिए 90 दिनों का वक्त मिल जाता है। चूंकि संसद भंग करने की सिफारिश 48 घंटे में राष्ट्रपति को माननी होती है और सदर आरिफ अल्वी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के हितैषी हैं, इसलिए 9 अगस्त को चुना गया, ताकि 11 अगस्त तक संसद भंग हो जाए व चुनाव के लिए अधिक वक्त मिले। एक वजह यह भी है कि देश की आर्थिक स्थिति काफी खराब है और उसे संभालने के लिए लोगों पर कई तरह के बोझ लादे जा रहे हैं।

इस्तीफे की घोषणा करने वाले शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी पीएमएल-नवाज का मानना है कि इन 90 दिनों में उनकी सरकार के प्रति लोगों की नाराजगी कुछ कम हो सकती है व कार्यवाहक सरकार पर इसका ठीकरा फूट सकता है। हालांकि, ये चुनाव तय वक्त पर होंगे, इसे लेकर संदेह है। अभी वहां जनगणना हुई है और संविधान के मुताबिक, नई जनगणना के बाद परिसीमन होना चाहिए। चुनाव आयोग की मानें, तो परिसीमन के लिए उसे कम से कम 120 दिनों की जरूरत होगी। फिर, सर्दियों के महीने पाकिस्तान के कई इलाकों में बर्फबारी लेकर आते हैं, जिसके कारण मुमकिन है कि आम चुनाव मार्च-अप्रैल के महीनों में हो, यानी अपनी रणनीति को अमल में लाने के लिए पीएमएल-नवाज को खासा वक्त मिल सकता है।

यह सही है कि गुरबत के दौर में शहबाज शरीफने सत्ता अपने हाथों में ली थी। उस वक्त पाकिस्तान के दिवालिया होने का खतरा था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ही नहीं, अमेरिका, सऊदी अरब, चीन, अमीरात जैसे तमाम देशों के सामने प्रधानमंत्री को हाथ फैलाने पड़े। इसका देश को कुछ लाभ तो हुआ, लेकिन मुश्किलें अब भी कम नहीं हुई हैं। सख्त फैसलों के कारण लोगों में शहबाज शरीफ के प्रति भी खूब नाराजगी है, जबकि इमरान खान अपने समर्थकों का आधार बचाने में कामयाब रहे हैं। फौज से सीधे टकराने की वजह से उनकी लोकप्रियता बढ़ी है, जिसके कारण अंदेशा है कि आगामी चुनाव में मुकाबला इमरान खान बनाम अन्य दल हो सकता है। बेशक इमरान को शीशे में उतारने की फौज ने पूरी कोशिश की, और चुनाव के लिए उन्हें अयोग्य घोषित करवाकर व उनके कद्दावर नेताओं को उनसे दूर करके पीटीआई की कमर भी तोड़ दी गई है, लेकिन शहबाज शरीफ के प्रधानमंत्री-काल में जो कुछ हुआ, वह पाकिस्तान के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था। फौज से सीधे टकराने के कारण माना यही जा रहा है कि इमरान खान जिस शख्स को समर्थन देंगे, वही चुनाव जीतेगा, जबकि उनके सामने उन्हीं के नेताओं द्वारा बनाई गई इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी और पीटीआई-पार्लमेंटेरियन्स पार्टी के अलावा पीएमएल-नवाज, पीपीपी जैसे पार्टियां होंगी। नतीजतन, अगले आम चुनाव में खंडित जनादेश के अनुमान लगाए जा रहे हैं, जिसका फायदा वहां की फौज परदे के पीछे से शासन करने के लिए उठा सकती है।

आखिर पाकिस्तान इन सबसे बाहर कैसे निकले? शहबाज शरीफ के सत्ता में रहते न सिर्फ आर्थिक व राजनीतिक, बल्कि उसके कूटनीतिक हालात भी ठीक नहीं हैं। इन सबको ठीक करने के संजीदा प्रयास किए गए, तब भी हालात बिगड़ेंगे। जैसे, पिछले दिनों वहां बिजली की दरें बढ़ाई गईं, और नए नियमों के मुताबिक, यदि कोई परिवार एक महीने में 700 यूनिट से अधिक की बिजली खपत करता है, तो उसे 50 रुपये प्रति यूनिट ज्यादा कीमत चुकानी होगी। यानी, ऊर्जा क्षेत्र को पटरी पर लाने के लिए लोगों को और महंगाई की आग में झोंकना लाजिमी है। जाहिर है, निकट भविष्य में पाकिस्तान अपनी गुरबत से बाहर निकल पाए, इसका कोई संकेत नहीं मिलता। अलबत्ता, वहां कुछ लोग अब मजाक में यह भी कहने लगे हैं, यदि मुल्क को संभालना है, तो बागडोर नरेंद्र मोदी के हाथों में दे देनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नए दौर के साथ किताबों का सदियों पुराना दौर खत्म.. अब कहां कोई पढ़ना चाहता है-अतुल मलिकराम

दूर होतीं किताबें या यूं कह लें कि किताबों से परहेज उस युग का अंत करने जा रहा है, जहां हर मुश्किल सवाल का जवाब ढूंढने लोग किताबों के पास आया करते थे

सबसे पहले सभी पाठकों को पुस्तक प्रेमी दिवस की शुभकामनाएं

सभी जानते हैं कि आज की पीढ़ी के पास पहले की पीढ़ियों की तुलना में सबसे अधिक सुविधाएं हैं। पहले के समय में डाकिया के हाथों भेजी हुई चिट्ठियां और बदले में जवाब के इंतजार में कई-कई दिन और महीने लोग खुशी-खुशी काट दिया करते थे। सच कहें, तो इस इंतजार में भी सुकून था, जबकि उन्हें यह भी नहीं पता होता था कि उनकी चिट्ठी पहुंचेगी भी या नहीं। आज के दौर में उंगलियों से चंद मिनटों में खर्रे से भी बड़े-बड़े मैसेज, टाइप करके महज एक क्लिक पर पलक झपकते ही सामने वाले को मिल जाया करते हैं।

यह आधुनिक दुनिया की सुविधा का एकमात्र उदाहरण है। ऐसे कई उदाहरण भरे पड़े हैं, जिनकी यदि मैं बात करने बैठूं, तो अखबार के पन्ने खत्म हो जाएंगे, लेकिन उदाहरण नहीं। फिर भी एक उदाहरण मन में आ रहा है, जो आपके समक्ष कह देता हूं। चिट्ठियों के समान ही आज के समय में हमारी सबसे अच्छी दोस्त कही जाने वाली किताबें भी किसी संदूक में पड़े-पड़े धूल खाने को बेबस हैं। एक क्लिक पर समस्या के समाधान खोजने की परंपरा जो दौड़ पड़ी है। अब कहां लोग सवालों का पुलिंदा लेकर किताबों के पास आते हैं.. अब कहां लोगों को सुकून की छाया किताबों में दिखती है... पुराने समय में किताब का जो मोल था, उसे शब्दों में क्या ही बयां करूं। न हाथ में मोबाइल थे और न ही सोशल मीडिया की दिखावे वाली दुनिया.. अपने जीवन का न सिर्फ खाली, बल्कि सबसे खास समय, मोबाइल के कीबोर्ड पर खिटपिट करने से परे, किताबें पढ़कर बीता करता था। सही मायने में यह पंक्ति यहां सटीक बैठती है: वो दिन भी क्या दिन थे।

जिस क्षेत्र में चाहिए, जिस बारे में चाहिए, बात जीवन की उलझनों की हो, या प्यार की मीठी यादों को ताजा करने की, किताबें बवंडर की तरह मन में उठ रहे सवालों के शांति से, सुकून भरे जवाब अपने साथ लिए आती थीं। 'थीं' शब्द का उपयोग करते हुए मन में टीस है, लेकिन क्या करें, यही सच है। आज के समय में तो इन सवालों के जवाब इंटरनेट पर मिल जाया करते हैं, फिर इस बात से भी क्या ही लेना-देना कि वो सच हैं भी या नहीं। अब लोग पहले की तरह उत्साह से कहां किताबें पढ़ते हैं। पढ़ते भी हैं, तो गिने-चुने लोग। सच का आईना सही मायने में किताबें हैं। सभी को मालूम है कि इंटरनेट पर सच के साथ ही झूठ भी बिखरे पड़े हैं, फिर भी किताबें पिछड़ गई हैं। मन को शांत कर देने वाली और सुकून से भर देने वाली किताबों को रौंद गया है सोशल मीडिया और इंटरनेट। अमेरिकी उपन्यासकार विलियम स्टायरान भी एक दफा कह चुके हैं कि एक अच्छी किताब के कुछ पन्ने आपको बिना पढ़े ही छोड़ देना चाहिए, ताकि जब आप दुखी हों, तो उसे पढ़कर आपको सुकुन मिल सके। दूर होतीं किताबें या यूं कह लें कि किताबों से परहेज उस युग का अंत करने जा रहा है, जहां हर मुश्किल सवाल का जवाब ढूंढने लोग किताबों के पास आया करते थे।

भले आज की पीढ़ी इस बात को माने या न माने, लेकिन शोध कहता है कि तनाव के समय सबसे प्रिय किताब पढ़ने से तनाव छूमंतर हो जाता है, क्योंकि किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं। नींद की परेशानी भी किताबों से दूर ही भागती है। रात में देर तक टीवी देखने, मोबाइल की स्क्रीन पर अपनी आंखें गढ़ाए रखने और कम्प्यूटर पर काम करने से बेशक आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने की आदत आपको अच्छी नींद की सौगात दे सकती है। कौन कहता है कि किताबें कुछ बोलती नहीं? किताबों में बिन कुछ कहे सब कुछ कह जाने का हुनर है। इस हुनर से जिस दिन आज के युवाओं से मुलाकात हो गई, सच मानो, इंटरनेट की चकाचौंध को छोड़कर किताबों की दुनिया वाला संन्यास लेना वे अधिक पसंद करेंगे।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

मेरी माटी मेरा देश अभियानः वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत किया गया पौधरोपण

कोरबा। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत जिले में शहरी क्षेत्र से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में बुधवार को वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत ग्राम पंचायत रंजना एवं देवरी के शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में 75-75 पौधों का रोपण किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप ने सर्व जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा को निर्देशित किया है कि मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत सभी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाए। ग्राम पंचायतों में वसुधा वंदन कार्यक्रम आयोजित किया जाए। जिसके तहत सभी ग्राम पंचायतों में 75 पौधों का रोपण किया जाए। यह पौधरोपण स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है। मनरेगा के तहत निर्मित अमृत सरोवर की मेड़ पर, शासकीय स्कूल-शालाओं के परिसर में पौधरोपण किया जाए। पौधरोपण के लिए वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा नर्सरी के माध्यम से पौधों की व्यवस्था की जाए। जनपद पंचायत कटघोरा के ग्राम पंचायत रंजना एवं देवरी के प्राथमिक शाला सुरक्षित परिसर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के द्वारा 75-75 फलदार, छायादार पौधे- आम, जामुन, कटहल, अमरूद, आंवला, नीम, बरगद, बेल, पीपल आदि का पौधरोपण किया गया।

विधायक रंजना साहू की अनुशंसा से 196 लाख स्वीकृत, विभिन्न पहुंच मार्गों में बनेगा सीसी रोड

धमतरी। धमतरी के विकास के सदैव तत्पर विधायक रंजना डीपेंद्र साहू के अनुशंसा से विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न शासकीय पहुंच मार्गो में सीसी रोड निर्माण हेतु 196 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।जिसके अंतर्गत हाई स्कूल भवन देमार पहुंच मार्ग निर्माण राशि 19.99 लाख, जिला कोषालय धमतरी पहुंच मार्ग राशि 11.99 लाख रुपए, हाई स्कूल भवन बागतराई पहुंच मार्ग निर्माण 11.99 लाख, हाई स्कूल भवन छाती पहुंच मार्ग निर्माण राशि 19.99 लाख, हाई स्कूल भवन आमदी पहुंच मार्ग निर्माण राशि 11.99 लाख, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भवन डोमा पहुंच मार्ग निर्माण राशि 11.99 लाख, मेन रोड से मिडिल स्कूल राजीव गांधी सेवा केंद्र एवं विश्राम गृह देवपुर पहुंच मार्ग निर्माण कार्य राशि 19. 99 लाख, हाई स्कूल देवपुर पहुंच मार्ग निर्माण कार्य राशि 19.99 लाख, हाई स्कूल भवन अरौद पहुंच मार्ग निर्माण 8.99 लाख, मेन रोड से सांकरा हाई स्कूल भवन पहुंच मार्ग निर्माण राशि 11.99 लाख, हाई स्कूल पहुंच मार्ग निर्माण कार्य राशि 14.98 लाख, हाई स्कूल भवन झिरिया पहुंच मार्ग निर्माण कार्य राशि 11.97 लाख रुपए के कार्यों की स्वीकृति मिली है।

सुंदर बस्तर की कल्पना को साकार कर रही छत्तीसगढ़ सरकार : मुख्यमंत्री बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । बस्तर जो शांति का टापू है, शस्य श्यामला है, प्राकृतिक सुंदरता से भरा हुआ है। बस्तर में साफ दिल के लोग हैं, भोले-भाले लोग हैं, मेहनतकश और ईमानदार लोग हैं। पिछले कुछ वर्षों से जो भय का माहौल बना था, आज वह भय से उन्मुक्त होते जा रहे हैं। आज हिंसक घटनाओं में बहुत कमी आई है और उसका लाभ जनता उठा पा रही है। लोग आसानी से व्यापार-व्यवसाय कर रहे हैं, शिक्षा से, रोजगार से जुड़ रहे है और अपनी संस्कृति से जुड़कर संरक्षित एवं संवर्धित कर रहे हैं।

जिस सुंदर बस्तर की कल्पना हमारे पुरखों ने की थी, आज उसे साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार दिन रात मेहनत कर रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल विश्व आदिवासी दिवस के अवसर जगदलपुर के काकतीय कॉलेज ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बस्तर जिले को 637 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात दी। जिसमें 150 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और 487 करोड़ रूपए के विकास कार्यों के भूमिपूजन शामिल है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन की शुरूआत मां दंतेश्वरी के जयकारे के साथ की। उन्होंने जनजातीय समुदाय के देवी-देवताओं को प्रणाम करते हुए सभी को विश्व आदिवासी की शुभकामनाएं दी। श्री बघेल ने कहा कि आज का दिन आदिवासियों के लिए समर्पित है। पूरे विश्व में आदिवासी भाई बहन बहुत उल्लास के साथ अपना दिवस मना रहे हैं।

मुझे यह बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि हमारी सरकार ने सबसे पहले विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शासकीय अवकाश देने की शुरुआत की है। इसके साथ ही आज 5633 ग्राम पंचायतों को आदिवासी परब सम्मान निधि की दूसरी किश्त के रूप में 281.65 लाख रूपए की राशि जारी की गई है। यह पहली बार हुआ है कि आदिवासियों के जो त्यौहार परब है उसके लिए सम्मान निधि 10 हजार रुपये सालाना देने का निर्णय लिया गया है, ताकि हमारे आदिवासी भाई बहन उल्लास के साथ अपने त्यौहार मना सकें। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि आदिवासियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने का काम हमने किया है। हजारों साल से जंगल से आदिवासियों का नाता रहा है। जो जंगल आज बचा है, वह आदिवासी भाइयों के कारण बचा है, वही उनके साथ जीवन-यापन करते हैं, उसे सुरक्षित रखते हैं। यही कारण हैं कि हम लोगों ने पूरे देश में सर्वाधिक वन अधिकार पट्टा देने का काम किया है। हमने लोगों को सामुदायिक दावा अधिमान्यता पत्र और वन संसाधन अधिकार भी दिए है। नारायणपुर जिले में पहली बार सर्वे कर अबुझमाड़ में मसाहती पट्टा देने का काम किया जा रहा है। अब तो व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र में ऋण पुस्तिका भी बनने लगा है, उसमें लोन भी मिल रहा है और धान सहित फसल बेचने का अधिकार भी लोगों को मिला है।

उन्होंने कहा कि हमारे वनांचल क्षेत्र में रहने वाले भाई-बहन वनोपज का संग्रहण करके साल भर अपना खर्चा चलाते है और अपनी जरूरत का समान खरीद पाते है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही हमारी सरकार ने 67 प्रकार के वनोपज खदीने की न केवल व्यवस्था की है बल्कि उसका समर्थन मूल्य घोषित किया और उसका वैल्यूएडिशन भी कर रहे हैं। कैसे आदिवासी की जेब में अधिक से अधिक पैसा जाए इस दिशा में हमने काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बस्तर में बच्चे फर्राटे से अंग्रेजी में बात कर रहे हैं इसे देखकर बड़े-बड़े लोग जो अंग्रेजी बोलने वाले हैं वह भी दांतो तले उंगली दबा लेते हैं। इस प्रकार से न केवल स्कूल बल्कि अंग्रेजी कॉलेज भी हमारे राज्य में खोले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़को का, पुल-पुलियों का लगातार हमने निर्माण किया और इसका सीधा फायदा आदिवासियों को हो रहा है।

अंदरुनी क्षेत्रों में अब कोई सड़के नही काटे जाती और वहां लोग अब सड़कों की मांग कर रहे हैं आज मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के माध्यम से घर के पास ही लोगों को स्वास्थ्य सेवा मुहैया करने का बड़ा काम हमारी सरकार ने किया है। उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज सरकार के प्रयासों से बस्तर और सरगुजा के आदिवासियों में खुशहाली और सम्पन्नता आई है। लोगों को उनके अधिकार मिल रहे हैं। उनके आस्था स्थलों का संरक्षण किया जा रहा है। आदिवासियों के हित में आगे भी इसी तरह काम करते रहेंगे। कार्यक्रम को भी उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने सम्बोधित किया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने काकतीय कॉलेज ग्राउंड

आदिवासी रंग में सराबोर हुआ जिला प्रशासन मांदर की थाप पर थिरके विधायक एवं कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर सामरी विधायक एवं संसदीय सचिव चिंतामणी महाराज के मुख्य आतिथ्य एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष तथा रामानुजगंज विधायक श्री बृहस्पत सिंह की उपस्थिति में हाई स्कूल ग्राउंड बलरामपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को लाभान्वित किया गया। साथ ही क्षेत्र के पंचायतों को ''मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना'' की द्वितीय किस्त की राशि भी जारी की गई।

इस दौरान वन अधिकार पत्रों के वितरण के साथ-साथ कृषि व मनरेगा के कार्यों को स्वीकृति मिली। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह, जिला वनमंडलाधिकारी विवेकानंद झा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील, बलरामपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष विनय पैकरा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुंदरमणि मिंज, सहायक संचालक आदिवासी विकास विभाग सुश्री समीक्षा जायसवाल, सर्व आदिवासी समाज के श्री रामकुमार मुरूम, रविदास समाज के श्री शिवप्रसाद रवि सहित जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि चिंतामणि महाराज ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज पूरा विश्व यह दिवस मना रहा है। उन्होनें आदिवासी संस्कृति और परंपरा के महत्व को उल्लेखित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा आदिवासी पर्व, संस्कृति के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि की शुरुआत की है। उन्होंने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरुआत कर छत्तीसगढ़ी खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है।

राज्य सरकार ने आदिवासी समाज के कल्याण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए : मंत्री डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राजधानी के शहीद स्मारक भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसके मुख्य अतिथि श्रम एवं नगरीय प्रशासन मंत्री शिव डहरिया थे। इस अवसर पर प्रयास विद्यालय के विभिन्न प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों और राष्ट्रीय-अंतराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में स्थान बनाने वाले ताईकान्डों के खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा हितग्राहियों को 60 हजार रूपये की सहायता राशि दी गई।

श्री डहरिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व

आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी और कहा की आदिवासी प्रकृति पूजक होते है। उनकी परंपराएं पर्व त्यौहारों विशिष्ट पहचान, मान्यता है। सन् 1993 में संयुक्त संघ द्वारा विश्व आदिवासी दिवस मनाने की शुरूआत आदिवासियों समाज की संस्कृति को व्यापक रूप से मान्यता दी गई। हमारी सरकार ने आदिवासी समाज के कल्याण के लिए कार्य किए। उनके देवगुड़ी निर्माण, विकास के लिए सहायता राशि दी जा रही है जिसमें बढ़ोत्तरी की गई है। आदिवासी समाज के पर्व और त्योहारों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष 9 अगस्त को शासकीय अवकाश देने की घोषणा की गई है ताकि आदिवासी समाज पूर्ण रूप से हर्षोउल्लास के साथ आयोजन में सहभागिता निभा सकें।

मंत्री श्री डहरिया ने कहा कि संविधान में आदिवासी समाज के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष प्रावधान दिए गए है। इसके तहत तमाम अवसर, शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अधिकार मिले है, इन अधिकारों और अवसरों का उपयोग करना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डोमेश्वरी वर्मा और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाश मिश्रा ने अपना संबोधन दिया। इस अवसर पर आदिवासी विकास के सहायक आयुक्त तारकेश्वर देवांगन, एडीएम एन.आर साहु और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

शिक्षा एवं संगठन समाज के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है: मंत्री अनिला भेंड़िया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए शिक्षा एवं संगठन दो महत्वपूर्ण मंत्र है। इसके बगैर समाज के विकास की परिकल्पना करना सर्वथा असंभव है। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों को बच्चों को उच्च शिक्षित करने तथा संगठित होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने की अपील की।

मंत्री श्रीमती भेंड़िया 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस समारोह के अवसर पर विकासखंड मुख्यालय डौण्डी के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के कार्यक्रम को सम्बोधित कर रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती भेड़िया ने कहा कि सदियों से आदिवासी समाज के द्वारा जल, जंगल एवं जमीन का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य

किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जंगलों में हमारे देवी-देवताओं के निवास के साथ-साथ हमारा जीवन भी वनो पर ही आश्रित रहता है।

जिसके फलस्वरूप जल, जंगल एवं जमीन की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने इस मौके पर छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा आदिवासियों के कल्याण हेतु राज्य में चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार आदिवासियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। आदिवासियों का संपूर्ण जीवन खेती-किसानी एवं वनों पर आश्रित होता है। इसे देखते हुए राज्य सरकार के द्वारा राज्य में 65 प्रकार के लघु वनोंपज की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है।

श्रीमती भेड़िया ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा बेरोजगारी भत्ता योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिमाह 2500 रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। इसके अलावा समाज के निम्न एवं मध्यमवर्ग के लोगों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने हेतु स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय की स्थापना की गई है। इसके अलावा छात्रावास सहित अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं। इस मौके पर उन्होंने ने आदिवासी समाज के लोगों विश्व आदिवासी दिवस समारोह की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा आदिवासी संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर हितग्राहियों को विभिन्न सामग्रियों एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र आदि का भी वितरण किया गया।

संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा आदिवासियों के योगदान का सम्मान करते हुए उनके उत्थान तथा उनके महत्व एवं संस्कृति को व्यापकता प्रदान करने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। राज्य सरकार के द्वारा आदिवासी एवं छत्तीसगढ़ की संस्कृति को पूरे देश के साथ-साथ विश्व पटल पर भी स्थापित करने का अभिनव प्रयास किया गया है।

संजारी बालोद की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा आदिवासी समाज के लोगों को जल, जंगल, जमीन का असली हकदार मानते हुए उन्हें वनाधिकार मान्यता पत्र प्रदान करने का अभिनव कार्य किया है।

चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

कांकेर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं के मध्य मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्हें प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान का महत्व समझायां जा रहा है। विकासखंड नरहरपुर के ग्राम पंचायत बासनवाही (कोतलभट्टी) में 09 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आए नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर मतदाता 18 वर्षीय श्रीराम नेताम और साहिल नेताम को वोटर आईडी कार्ड प्रदान किया गया एवम नागरिकों को संदेश देते हुए बताया गया कि जैसे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम प्रतिदिन योग एवं व्यायाम करते हैं चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करें और निष्पक्ष होकर मतदान करें।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

खास खबर...

युवाओं के लिए प्लेसमेंट ड्राइव 17 से 23 अगस्त तक

रायपुर। जिला प्रशासन रायपुर द्वारा रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए 17 अगस्त से 23 अगस्त 2023 तक प्लेसमेंट ड्राइव की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन की यह पहल युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए सुनहरा अवसर लेकर आया है। युवाओं के लिए आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव 17 अगस्त को आईटीआई सड्डू में हॉस्पिटैलिटी (होटल एण्ड रेस्टोरेंट) सेक्टर पर केंद्रित होगी। हेल्थकेयर सेक्टर प्लेसमेंट ड्राइव 18 अगस्त को बैरन बाजार स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित होगी। 19 अगस्त को बिरगांव के आडवाणी आर्लिकन स्कूल में उद्योगों में तकनीकी पदों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव होगी। 22 अगस्त को लाइवलीहुड कॉलेज जोरा में विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों के साथ-साथ वित्त और सुरक्षा क्षेत्रों पर केंद्रित प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त 23 अगस्त को लाइवलीहुड कॉलेज जोरा में लोन मेला का भी आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार आधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार रोजगार मेले में भाग लेने के लिए युवा रायपुर रोजगार संगी वेबसाइट और एप्लीकेशन पर पंजीयन कर सकते हैं। युवा पंजीयन के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक https://raipurrozgarsangi.com/login.asp& का उपयोग कर सकते है। भविष्य में आयोजित होने वाले सभी रोजगार मेले में शामिल होने के लिए यह पंजीकरण अनिवार्य है। रोजगार मेले के संबंध में जरूरी अपडेट और जानकारी के लिए वेबसाइट www.raipurrozgarsangi.com के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस राज में महिलायें ज्यादा सुरक्षित : सुशील

रायपुर। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ में महिलाओं के प्रति अपराधों में कमी आई है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भूपेश राज में महिलाओं के लिये जीवन जीने के लिये ज्यादा सुरक्षित माहौल बना है। छत्तीसगढ़ की छवि खराब करने तथा अपनी गलतियों को छुपाने छत्तीसगढ़ के खिलाफ सुनियोजित दुष्प्रचार भाजपा कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के साथ अपराधों में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद 62 प्रतिशत की कमी आई है। कांग्रेस सरकार बनने के तीन साल पहले और कांग्रेस की सरकार बनने के तीन साल बाद महिलाओं के साथ हुये अपराधों के आंकड़े इसकी गवाही देते है। बलात्कार के मामलों का तुलनात्मक विवरण इस प्रकार है- 2016-1626 मामले दर्ज हुये, 2017-1908 मामले, 2018-2091 मामले, 2019-1036 मामले, 2020-1210 मामले, 2021-1093 मामले। बलात्कार के प्रयास के मामले- 2017-19, 2018-27, 2019-09, 2020-08, 2021-07। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2018 में छत्तीसगढ़ बलात्कार के मामलों में पांचवें नंबर पर था, 2021 में भूपेश सरकार की महिला सुरक्षा नीतियों के कारण छत्तीसगढ़ 11वे स्थान पर आ चुका था। जो अब 2022-23 में 18वे स्थान पर है। बलात्कार के प्रयास की घटनाओं में भी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ 2018 तक 10वें स्थान पर था, जबकि भूपेश सरकार के बाद 2022 में छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थिति में सुधार किया है और ये 16वें स्थान पर है।

राजीव भवन में मनाया गया अगस्त क्रांति दिवस

रायपुर। कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में अगस्त क्रांति दिवस मनाया गया। भारत छोड़ो आंदोलन के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया गया और उनके बतायें मार्ग पर चलकर देश को मजबूत करने एवं विश्व में भारत का मान बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान एआईसीसी महासचिव एवं प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज, प्रदेश प्रभारी सहसचिव विजय जांगिड़, वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य छाया वर्मा, प्रदेश महामंत्री रवि घोष, प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जनक लाल ध्रुव, शकुन डहरिया, अजय साहू, सुमित्रा धृतलहरे, महेंद्र छाबड़ा, प्रदेश प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, इदरीश गांधी एवं बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश में पहली बार प्रदान किए पर्यावास अधिकार मान्यता पत्र

विश्व आदिवासी दिवसः छत्तीसगढ़ में आदिवासियों को अधिकार संपन्न बनाने की नई पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विश्व आदिवासी दिवस 09 अगस्त के अवसर पर छत्तीसगढ़ के विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह ''कमार'' को एक विशेष तोहफा देते हुए उन्हें पर्यावास अधिकार मान्यता पत्र वितरित किए। प्रदेश में पहली बार विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह को पर्यावास अधिकार प्रदान किया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का दूसरा राज्य बन गया है, जहां विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह को पर्यावास अधिकार दिया गया है। इसी तरह कमार जनजाति समूह प्रदेश का पहला जनजाति समूह है, जिसे राज्य शासन द्वारा पर्यावास अधिकार मिला है। मुख्यमंत्री बघेल ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में धमतरी जिले के मगरलोड विकासखण्ड अंतर्गत स्थित मगरलोड पाली/उपक्षेत्र (परंपरागत क्षेत्र) के 22 कमार पारा/टोला के मुखिया को पर्यावास अधिकार मान्यता पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम में आदिम जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम, आदिम जाति विकास विभाग के सचिव डीडी सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी सहित कमार जनजाति के मुखिया उपस्थित थे।

पर्यावास अधिकार

वन अधिकार अधिनियम 2006 की धारा 2 (ज) में पर्यावास अधिकारों को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार सामान्यत: पर्यावास अधिकार पीव्हीटीजी के पर्यावास क्षेत्र के अंतर्गत उनके पारंपरिक एवं रूढ़िगत सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और आजीविका से संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र पर पारंपरिक रूप से निर्भरता एवं जैव विविधता अथवा पारंपरिक ज्ञान का अधिकार मान्य करने के साथ उनके संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु मान्यता प्रदान करता है। पर्यावास अधिकार प्रदान करने की यह पहल अन्य विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों तथा कमार जनजाति समुदाय की अन्य पालियों, उपक्षेत्रों के लिए भी एक मार्गदर्शिका सिद्ध होगा एवं शीघ्र ही अन्य विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों के लिए भी इस दिशा में प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया ग्राम सभाओं में जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा आदिवासियों को अधिकार सम्पन्न बनाने का महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। समर्थन मूल्य पर धान, लघु वनोपजों, मिलेट्स की खरीदी के साथ व्यक्तिगत, सामुदायिक वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन संसाधन के अधिकार प्रदान किए गए हैं। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जहां वन अधिकार मान्यता पत्र के माध्यम से आदिवासियों और वनवासियों को दी गई जमीन की ऋण पुस्तिका बनाई गई है। ऋण पुस्तिका बनने से पट्टेधारियों के लिए समर्थन मूल्य पर कृषि और लघु वनोपजों तथा मिलेट्स उपज बेचना संभव हो रहा है। इसके साथ ही साथ उन्हें कृषि कार्यों के शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण भी उपलब्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामुदायिक तथा वन संसाधन वन अधिकार मान्यता पत्र के माध्यम से लाखों हेक्टेयर जमीन वनवासियों को दी गई है। सामुदायिक तथा वन संसाधन मान्यता पत्र के माध्यम से मिले अधिकारों का उपयोग पट्टाधारी किस तरह कर सकें इसके लिए जनजागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। इसके लिए आज वनाधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत सामुदायिक वन संसाधन अधिकार के संबंध में जागरूकता हेतु ग्राम सभाओं में जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान का प्रथम चरण वन अधिकार मान्यता पत्र की प्रक्रिया की जानकारी पर केन्द्रित था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अधिकारों के उपयोग के संबंध में जागरूकता लाने के लिए राज्य सरकार और समाजसेवी संगठनों द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनजाति समुदायों के समाज प्रमुखों से भी आग्रह किया कि वे इस काम को प्राथमिकता के साथ हाथ में लें, ताकि आदिवासियों को प्राप्त अधिकारों का वे अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। यह प्रयास छत्तीसगढ़ को समृद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

आदिवासी जननायकों के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के गौरवपूर्ण स्मरण के रूप में डाक टिकट एवं विशेष आवरण जारी

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के आदिवासी जननायकों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में किये गये योगदान के गौरवपूर्ण स्मरण के रूप में डाक टिकट एवं विशेष आवरण का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जनजातियों के वाद्य यंत्रों पर आदिम जाति विकास विभाग द्वारा तैयार किए गए वृत चित्र का प्रदर्शन किया गया। आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री मोहन मरकाम ने इस अवसर पर कहा कि आज मगरलोड पाली के विशेष रूप से कमजोर जनजाति कमार समूह को राज्य में प्रथम पर्यावास अधिकार मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि चाहे लघुवनोपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की बात हो या धान की समर्थन मूल्य में खरीदी हो, मिलेट् का न्यूनतम समर्थन मूल्य हो, हमारी सरकार द्वारा जनजाति हितों को ध्यान में रखा गया है। विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के युवाओं को नौकरी देने के बात हो, चाहे जनजाति क्षेत्रों में सुपोषण अभियान हो, मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना हो, आदिवासी परब सम्मान के माध्यम से अनुसूचित क्षेत्र के पंचायतों को सशक्त करना हो, हमारी सरकार और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनजाति हितों को प्राथमिकता दी है। प्रदेश में कमार जनजाति मुख्यत: चार जिलों गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी एवं कांकेर में निवासरत है। इन सभी जिलों के कमार आवासीय क्षेत्रों को समेकित किए जाने पर उनका पर्यावास क्षेत्र निर्धारित होगा। इस अवसर पर कलेक्टर धमतरी ऋतुराज रघुवंशी, निदेशक, डाक सेवाएं छत्तीसगढ़ परिमंडल दिनेश मिस्त्री, समाज सेवी सुश्री मंजीत कौर बल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

पर्यावास अधिकार मान्यता प्रक्रिया पुस्तिका सहित विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह को पर्यावास अधिकार की मान्यता देने की प्रक्रिया के संबंध में प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग की योजनाओं की प्रगति से संबंधित पुस्तिका 'समावेशी विकास के बढ़ते सोपान' शीर्षक से प्रकाशित कॉफी टेबल बुक, आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तकों 'छत्तीसगढ़ की जनजातीय वाचिक परम्पराएं', 'बस्तर दशहरा' 'आदिनाद जनजाति वाद्ययंत्र' 'स्मारिका' का भी विमोचन किया।

मगरलोड-पाली के परिवारों को मिला पर्यावास अधिकार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदेश में पहली बार धमतरी जिला के विकास खंड मगरलोड अंतर्गत 22 पीव्हीटीजी पाली के परिवारों के व्यक्तियों को पर्यावास अधिकार प्रदान किए गए हैं। इन अधिकारों के माध्यम से पीव्हीटीजी समुदाय के प्रथागत व्यवस्थाओं, संस्कृति के साथ पारम्परिक अधिकारों को शासकीय दस्तावेज में अभिलिखित करने तथा सुरक्षा, संरक्षण एवं संवर्धन में सहयोग मिलेगा। पीढ़ियों से चली आ रही पारम्परिक आजीविका और पारिस्थितिकी ज्ञान की सुरक्षा और संवर्धन हो सकेगा। विभिन्न विभागों की योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से शासन द्वारा इन क्षेत्रों का सशक्तिकरण और विकास किया जा सकेगा। पीव्हीटीजी विकास अभिकरण के माध्यम से समुदाय अनुकूल अधोसंरचना विकास में सहायता मिलेगी।

नए भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें विद्यार्थीः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ओपी जिंदल विश्वविद्यालय रायगढ़ के तृतीय दीक्षांत समारोह में वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि डिग्री के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की दीक्षा लेकर नए भारत और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में विद्यार्थी अपना योगदान दें। दीक्षांत समारोह में 22 स्वर्ण, 24 रजत और 22 कास्य पदक सहित 522 विद्याथियों को पीएचडी, स्नाकोत्तर, स्नातक और डिप्लोमा की उपाधियां प्रदान कि गई।

राज्यपाल हरिचंदन ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी। अपने उद्बोधन में कहा कि आज भारत को युवाओं का देश कहा जाता है और अनुमान है कि वर्ष 2030 तक दुनिया के सबसे ज्यादा युवा हमारे देश में होंगे। ऐसी स्थिति में बड़े पैमाने पर बदलाव की जरूरत है और निकट भविष्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी बदलाव की जरूरत है। हमें एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता है।

जो शिक्षण और सीखने के सकारात्मक तरीकों पर आधारित हो जो आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित कर सके। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक ऐसा इको-सिस्टम विकसित करने का सुनियोजित रोडमैप है जो हमारी युवा पीढ़ी की प्रतिभा को निखारेगा। एनईपी का उद्देश्य छात्रों को भविष्य की दुनिया के लिए तैयार करना है, साथ ही उन्हें हमारी सर्वोत्तम परंपराओं से लैस करना है। इसमें शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका है।

विद्याथियों को संबोधित करते हुए हरिचंदन ने कहा कि शिक्षा पूरी करने के बाद अब आप वास्तविक दुनिया का सामना करेंगे। तेजी से बदलती दुनिया में गंभीर रूप से सोचने और नई परिस्थितियों के प्रति शीघ्रता से अनुकूलन करने की आवश्यकता होती है। अब आपका अपने परिवार, समाज और देश के प्रति कर्तव्य को निभाने की जिम्मेदारी है। अपनी शिक्षा का उपयोग समाज के शोषित, वंचित और पिछड़े लोगों की बेहतरी के लिए करना है। शासन की योजनाओं का लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए उन्हें मदद करे। हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। देश और देश की जनता पर गर्व की भावना रखते हुए देशहित को सदैव सर्वोपरि रखें। विद्याथियों को उन सामाजिक और अन्य बुराइयों को दूर करने में सबसे आगे रहने की आवश्यकता है जो विभिन्न मोर्चों पर राष्ट्र की समृद्धि और विकास में बाधा बन रही हैं।

दीक्षांत समारोह में छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार मिश्र, विश्वविद्यालय की कुलाधिपति शालू जिंदल, कुलपति डॉ. आर.डी.पाटीदार, जिंदल स्टील के प्रबंध निदेशक बिमलेन्द्र झा सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, एचओडी, प्राध्यापक, फैकल्टी मेम्बर, अभिभावक, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राज्य के तकनीकी एवं फॉर्मेसी संस्थानों में प्रवेश के लिए पंजीयन 11 अगस्त से

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षा सत्र 2023-24 के लिए तकनीकी एवं फॉर्मेसी संस्थानों में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन कॉउंसिलिंग के माध्यम से होगी। संचालनालय तकनीकी शिक्षा के अनुसार बैचलर ऑफ टेक्नॉलाजी के साथ इंजीनियरिंग, आर्किटेक्ट, कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग, इंटीरियन डेकोरेशन, मार्डन ऑफिस मैनेजमेंट और हॉटल मैनेजमेंट एवं केटरिंग टेक्नालॉजी में डिप्लोमा कोर्सेस के लिए पहले चरण के लिए पंजीयन 11 अगस्त से 15 अगस्त तक होगा। सीटों का आबंटन 17 अगस्त को, एवं प्रवेश प्रक्रिया 18 अगस्त से 21 अगस्त तक चलेगी। इसी तरह द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 22 से 26 अगस्त तक, सीटों का आबंटन 29 अगस्त को एवं प्रवेश प्रक्रिया 31 अगस्त से 04 सितंबर तक चलेगी। संस्था स्तर पर पंजीयन 09 सितंबर से 11 सितंबर तक होगी। प्रवीण्यता सूची 13 सितंबर को जारी होगी एवं प्रवेश प्रक्रिया 14 से 15 सितंबर तक चलेगी। इस संबंध में अभ्यर्थी

www.cgdteraipur.cgstate.gov.in वेबसाइट में जाकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

इसी तरह मास्टर ऑफ फार्मेसी, मास्टर ऑफ बिजनेश एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एपलीकेशन, मास्टर ऑफ टेक्नॉलाजी और बैचलर ऑफ फॉर्मेसी एवं डिप्लोमा फॉर्मेसी के लिए प्रथम चरण में पंजीयन 14 अगस्त से 18 अगस्त तक, सीटों का आंबटन 21 अगस्त को एवं प्रवेश प्रक्रिया 22 अगस्त से 25 अगस्त तक चलेगी। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 26 अगस्त से 30 अगस्त तक, सीटों का आबंटन 01 सितंबर को एवं प्रवेश प्रक्रिया 02 सितंबर से 05 सितंबर तक चलेगी। संस्था स्तर पर पंजीयन 09 सितंबर से 11 सितंबर तक होगा। प्रवीण्यता सूची 13 सितंबर को जारी होगी। प्रवेश प्रक्रिया 14 सितंबर से 15 सितंबर तक चलेगी।

बैचलर ऑफ फॉर्मेसी, बैचलर ऑफ टेक्नॉलाजी एवं डिप्लोमा इंजीनियरिंग के लिए लेटरल माध्यम से प्रवेश के लिए पहले चरण में पंजीयन 17 अगस्त से 21 अगस्त तक, सीटों का आबंटन 23 अगस्त एवं प्रवेश प्रक्रिया 24 अगस्त से 27 अगस्त तक चलेगी। द्वितीय चरण के लिए पंजीयन 28 अगस्त से 31 अगस्त तक, सीटों का आबंटन 02 सितंबर को एवं प्रवेश प्रक्रिया 04 सितंबर से 07 सितंबर तक चलेगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

महिलाओं में भी तेजी से बढ़ रहे हैं हार्ट अटैक के मामले

जानें इसे लेकर क्या कहती है स्टडी

दिल का स्वस्थ रहना किसी भी इंसान की लाइफ के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन दिल की खराबी और दिल संबंधी बीमारियों यानी कार्डियोवैस्कुलर रोगों ने आजकल ज्यादा लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरु कर दिया है। हैल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि पहले दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक एक उम्र के बाद होता था लेकिन आजकल जवान और बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। खास बात ये है कि पिछले कुछ सालों में पुरुषो के मुकाबले महिलाएं दिल के दौरे की चपेट में ज्यादा आ रही हैं।

क्या कहती है स्टडी

इस संबंध में कराए गए अध्ययन में कहा गया है कि कार्डियोवैस्कुलर रोग संबंधी खतरे महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं हर साल महिलाओं में करीब 35 फीसदी मौतें केवल दिल संबंधी बीमारियों के चलते होती है। ऐसे में जरूरी है कि महिलाओं में दिल संबंधी बीमारियों को लेकर जागरुकता फैलाई जाए। चलिए आज बात करते हैं कि महिलाओं में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज यानी हृदय संबंधी बीमारी से जुड़े रिस्क के लक्षण क्या क्या हो सकते हैं।

महिलाओं में हृदय संबंधी बीमारियों के संकेत क्या क्या हैं

हार्ट रिलेटेड बीमारियों के प्रति जागरुकता की कमी और हार्ट डिजीज के प्रति महिलाओं की सेंसेटिविटी ही महिलाओं को दिल संबंधी खतरों की ओर धकेल रही है। इसके कारण औरतें कम ही उम्र में हार्ट अटैक और हार्ट संबंधी दूसरे खतरों का शिकार हो रही हैं। हालांकि कुछ मामलों में महिलाओं में हार्ट की बीमारी से जुड़े संकेत पुरुषों से कुछ अलग हो सकते हैं। जैसे जबड़े में दर्द होना महिलाओं में हार्ट अटैक से पहले का एक सामान्य लक्षण है। इसके अलावा कंधे और बाएं सीने में दर्द होना भी एक सिंपटम है। इसके अलावा पीठ के ऊपरी भाग और पेट के ऊपरी हिस्से में रह रह कर दर्द होना भी हार्ट अटैक का संकेत है। लगातार पसीना आना, चक्कर आना भी कार्डिएक अरेस्ट का लक्षण है। कोई भारी काम ना करने के बावजूद आर्म्स पेन भी हार्ट अटैक का संकेत हो सकता है।

किन महिलाओं को हो सकता है कार्डिएक अरेस्ट का ज्यादा खतरा

डॉक्टर अनुमान लगाते हैं वो महिलाएं जिनकी पारिवारिक हिस्टरी में हार्ट अटैक के मामले हैं, वो इसकी ज्यादा गिरफ्त में आती हैं। इसके अलावा डायबिटीज 2, मोटापा, हाइपरटेंशन यानी उच्च रक्तचाप से पीड़ित महिलाएं भी दिल के दौरे और हार्ट रिलेटेड डिजीज का जल्दी शिकार बनती हैं। वो महिलाएं जिनका कोलेस्ट्रोल हाई रहता है, मैनोपॉज की स्थिति से जूझ रही महिलाएं, एंजाइटी और स्ट्रेस का शिकार महिलाएं, कम नींद लेने वाली महिलाएं और स्मोकिंग और अल्कोहल का ज्यादा सेवन करने वाली महिलाएं कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) का ज्यादा शिकार बनती हैं।

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है ध्यान योग

योग में मस्तिष्क की सुरक्षा करने और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए कई तकनीकें हैं। इनमें ध्यान योग सबसे प्रभावी है, जो अधिक प्रभावी ढंग से ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है। ध्यान योग के तरीकों को समझना कठिन है। आज हम आपको इस योग तकनीक से जुड़ी महत्वपूर्ण बाते बताने जा रहे हैं, जिसके जरिए आपके लिए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान हो सकता है।

ध्यान योग क्या है?

ध्यान संस्कृत शब्द ध्याई से लिया गया है जिसका अर्थ सोचना है। ध्यान योग एक तरह की ध्यान प्रक्रिया है, जिसमें आप आनंद और शांति का अनुभव करते हैं। यह आपके ध्यान को जरूरी चीजों पर केंद्रित करने और विचारों को स्पष्ट रखने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह शरीर में आंतरिक शांति की भावना उत्पन्न करता है और मानसिक स्वास्थ्य को भी स्वस्थ रखने में सहायक है।

ध्यान योग से मिलने वाले फायदे

अगर नियमित रूप से ध्यान योग का अभ्यास किया जाए तो इससे ध्यान और एकाग्रता को बढ़ाने में मदद मिलती है। इससे अकेलेपन की भावना से भी छुटकारा मिलता है क्योंकि आप अंदर से खुद को पूर्ण महसूस करने लगते हैं। इसके अतिरिक्त यह अवसाद, तनाव और चिंता को दूर करने में मदद करता है। एक अध्ययन के अनुसार, ध्यान योग का अभ्यास करने वाले व्यक्तियों ने उच्च स्तर के विकास, आत्म-स्वीकृति और सकारात्मक संबंधों का अनुभव किया।

ध्यान योग के लिए चुनें शांत जगह

ध्यान योग करने के लिए एक ऐसी जगह चुनें, जो शोर-शराबे से मुक्त हो। अगर आप घर के किसी कमरे में इसका अभ्यास करने वाले हैं तो ध्यान रखें कि वह कमरा हवादार और कम से कम लाइट वाला होना चाहिए। साथ ही कमरे में किसी तरह की बदबू नही होनी चाहिए क्योंकि इससे योग के दौरान आपका ध्यान भटक सकता है। इसके अलावा ध्यान योग के लिए हमेशा आरामदायक योगा मैट चुनें।

मन को दबाव से न करें शांत

कई लोग ध्यान योग का अभ्यास करते समय जबरदस्ती अपने मन को शांत करने की कोशिश करते हैं और सोचते रहते हैं कि दिमाग में कोई भी विचार न आएं। हालांकि, इस तरह से और ज्यादा विचार मन में घर करने लगते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपने मन और दिमाग को स्वतंत्र छोड़कर सिर्फ अपनी सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया पर ध्यान दें।

खतरों के खिलाड़ी 13 के बाद बिग बॉस सीजन 17 में नजर आ सकती है ऐश्वर्या शर्मा

टेलीविजन के चर्चित सीरियल गुम है किसी के प्यार में की पाखी यानि अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा रियलिटी टेलीविजन शो बिग बॉस सीजन 17 में दिखाई दे सकती हैं। स्वयं बिग बॉस ने ऐश्वर्या को शो का हिस्सा बनने का ऑफर दिया है। बता दें कि ऐश्वर्या शर्मा ने गुम है किसी के प्यार में सीरियल छोड़ा था क्योंकि वह कुछ नया और चैलेंजिंग आजमाना चाहती थीं। शो छोड़ने के बाद अभी ऐश्वर्या रियलिटी स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। शो के एक ताजा प्रोमो में टेलीविज़न सीरियल खतरों के खिलाड़ी के प्रतियोगियों को बिग बॉस के साथ बातचीत करते देखा जा सकता है। प्रोमो वीडियो में देखा जा सकता है कि अर्चना बिग बॉस से पूछती हैं कि क्या आपने मुझे मिस किया? जवाब में बिग बॉस बोलते हैं- शट अप अर्चना। बिग बॉस ऐश्वर्या से अर्चना की मिमिक्री करने को बोलते हैं और वह बड़ी शानदार एक्टिंग करती हैं। ऐश्वर्या का अभिनत देखने के बाद बिग बॉस ने उनसे कहा, यह टैलेंट तो सौ सवा सौ कैमरों के सामने दिखना चाहिए। हमारे दरवाजे आपके लिए जरूर खुले हुए हैं। बिग बॉस का यह ऑफर सुनकर ऐश्वर्या का रिएक्शन देखने लायक था। हालांकि उन्होंने बिग बॉस को कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं दी। अब यदि ऐश्वर्या यह ऑफर स्वीकार करती हैं, तो जाहिर तौर पर दर्शक उन्हें सीजन 17 में देख पाएंगे। बता दें कि रियलिटी टीवी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 ऐश्वर्या की परफॉर्मेंस बहुत बेहतरीन रही है तथा वह लगभग हर स्टंट का सामना पूरी हिम्मत और सब्र के साथ कर रही हैं। कई बार शो के होस्ट रोहित शेट्टी स्वयं ऐश्वर्या की प्रशंसा कर चुके हैं।

जिम में वर्कआउट करती दिखीं नेहा मलिक

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक हमेशा अपनी बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनकी हर एक झलक पाने के लिए फैंस काफी बेताब रहते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी फिटनेस देखकर फैंस का मन डोल गया है। हालांकि उनके इस लुक पर फैंस अपनी नजरें टिकाए बैठे हैं। भोजपुरी सिंगर खेसारी लाल की हीरोइन नेहा मलिक आए दिन अपनी तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही तेजी से सुर्खियां बटौरने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी जिम वेयर में कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी फिगर और फिटनेस देखकर फैंस आहें भरने से बिल्कुल भी नहीं कतरा रहे हैं। नेहा मलिक ने इस दौरान टाइट फिटेड पेंट और साथ ही स्पोर्ट्स ब्रा पहनी हुई। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। अपने बालों की हाई पोनी बांध कर साथ ही सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने लुक को बखूबी से निखारा है। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपनी परफेक्ट टोन्ड बॉडी और फिटनेस फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर ये साबित होता है कि नेहा मलिक खुद को मेंटेन रखने के लिए काफी हेवी वर्कआउट करती हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आत्मसम्मान का गौरव बोध करती है आदिवासी संस्कृति : डॉ प्रेम साय सिंह टेकाम

सूरजपुर। ''एक तीर एक... किसान सब आदिवासी... एक समान'' नारा देकर राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रेम साय सिंह टेकाम ने विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम स्थल पर अपने उद्बोधन की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों को आदिवासी संस्कृति और उनके इतिहास से परिचित कराया। उन्होंने कहा हमारी संस्कृति, परंपरा और भाषा हमारी पहचान है। इसे हमें संरक्षित रखना है और विश्व पटल में इसे स्थान दिलाना है। आत्मसम्मान का गौरव बोध करती है, आदिवासी संस्कृति, और आगे भी आदिवासी संस्कृति फलती फूलती रहे इसी आशा के साथ उन्होंने उपस्थित जनों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं का भी उल्लेख किया जो की आदिवासी वर्ग के लिए संजीवनी बूटी साबित हो रही है। आज जिले के मंगल भवन हॉल में विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें आदिवासी समाज के सदस्यों के साथ, जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रकृति गीत ''आदिवासी जंगल रखवाला रे'' से हुई। इसके पश्चात सुआ नृत्य के साथ-साथ आदिवासी संस्कृति को प्रस्तुत करने वाले कई भव्य कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर आदिवासी समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान, वन अधिकार पत्र, सामुदायिक वन अधिकार पत्र एवं वन संसाधन अधिकार पत्र तथा व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र धारियों को ऋण पुस्तिका का वितरण किया गया। इसके साथ ही कृषि एवं बागवानी विभाग द्वारा स्वीकृत कृषि आदान, बीज, उपकरण का वितरण, समाज कल्याण विभाग द्वारा सहायक उपकरण का वितरण भी किया गया।

100 विशेष पिछड़ी जनजाति युवक युवतियों को सौंपा गया नियुक्ति प्रमाण-पत्र

महासमुन्द। विश्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के अवसर पर आज यहां 100 विशेष पिछड़ी जनजाति कमार, भुंजिया के पात्र युवक युवतियों को सरकारी सेवा हेतु नियुक्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। साथ ही 62 व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा, 07 सामुदायिक वन संसाधन पत्र एवं ग्राम बोकरामुड़ा खुर्द को आदर्श ग्राम पंचायत के रूप में प्रशस्ति प्रमाण पत्र सौंपा गया। इसके अलावा जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति से 5 हितग्राहियों को कुल 5 लाख 20 हजार रुपये का लोन चेक वितरित किया गया। वन अधिकार पत्र में बेहतर कार्य के लिए सृजन समाज सेवी संस्था महासमुन्द को भी प्रमाण पत्र दिया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्राम खैरा स्थित मंगल भवन में सुबह 11 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव एवं खल्लारी विधायक श्री द्वारिकाधीश यादव, समारोह के अध्यक्ष संसदीय सचिव एवं महासमुंद विधायक श्री विनोद चंद्राकर व कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती राशि महिलांग, जिला पंचायत सदस्य जुगनू चंद्राकर, जनपद उपाध्यक्ष महासमुंद श्रीमती त्रिलोकी ध्रुव, अमर चंद्राकर, मंडी अध्यक्ष हीरा बंजारे, लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष प्रमोद चंद्राकर, मोतीराम, कौशल नेताम मौजूद थे । इस अवसर पर मुख्य अतिथि संसदीय सचिव द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि सयुंक्त राष्ट्र संघ द्वारा 9 अगस्त 1882 को आदिवासी हितों की रक्षा और अधिकार देने के लिए विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा की गई थी।

आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य कर रही शासन- उमेश पटेल

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायगढ़। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टोरेट के सृजन सभाकक्ष में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षामंत्री उमेश पटेल ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य शासन विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हमारे प्रदेश की समृद्ध आदिवासी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने विश्व आदिवासी दिवस पर अवकाश घोषित किया है।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण हेतु मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना से उत्सवों व त्योहारों को संरक्षित करने के उद्देश्य से अनुसूचित क्षेत्रों के प्रत्येक पंचायत को 10 हजार रुपये की राशि दी जा रही है। देवगुड़ी विकास के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया है। इसके साथ वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन कर वन अधिकार पत्र दिए जा रहे है। जिससे उन्हें भू-स्वामित्व का लाभ मिल रहा है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर वनोपज की खरीदी का दायरा बढ़ाने के साथ कीमतों में भी वृद्धि की है। जिसका लाभ वनांचल में रहने वाले संग्राहक परिवारों को मिल रहा है। शासन की योजनाओं से अनुसूचित क्षेत्रों में रोजगार सृजन के कार्य किए जा रहे है। इसके साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सुपोषण के क्षेत्र में भी लगातार कार्य किया जा रहा है।

विधायक धरमजयगढ़ लालजीत सिंह राठिया ने सभी को आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा आदिवासी संस्कृति परंपरा को आगे बढ़ाने का निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने देवस्थलों के संरक्षण एवं देवी-देवताओं को संरक्षित करने के लिए बजट दिया, जो सराहनीय कार्य है। खेलकूद के माध्यम से भी आदिवासियों को आगे बढ़ा रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के जाति एवं निवास प्रमाण पत्र भी सरलता से बन रहे है। रायगढ़ विधायक प्रकाश नायक ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन आदिवासी वर्गो के खुशहाली एवं तरक्की की दिशा में सतत रूप से प्रयासरत है। जिसके तहत आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार संवर्धन के क्षेत्र में विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। जिसका सीधा फायदा उनके जीवन पर पड़ रहा है और वे आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार पटेल ने कहा कि आदिवासियों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में शासन लगातार कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ शासन की अनेक योजनाओं से आदिवासी समाज के सभी वर्गो को लाभ मिल रहा है।

कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कहा कि राज्य शासन आदिवासियों के अधिकारों के हित में विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। राज्य शासन की योजनाओं के साथ प्रशासनिक प्रयासों से इन क्षेत्रों में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण तथा उसे बढ़ावा देने, वन अधिकार पट्टा वितरण के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, जल और पर्यावरण संरक्षण व रोजगार संवर्धन के क्षेत्र में विशेष रूप से कार्य किया जा रहा है। आदिवासियों की विशिष्ट संस्कृति को बचाये रखने के लिए गांवों की सांस्कृतिक दलों को आवश्यक सामग्री की व्यवस्था हेतु 10 हजार रुपये तक की राशि दी जाती है। पिछले चार वर्षो में 156 दलों को 15 लाख 60 हजार रुपये दिए गए।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्र के ग्रामों में स्थानीय उत्सवों व त्यौहारों के साथ सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए 10 हजार रुपये की राशि दिए जाने का प्रावधान है। अनुसूचित क्षेत्रों के 377 ग्राम पंचायत को प्रथम किश्त के रूप में 18 लाख 85 हजार रुपये की राशि दी गई है। इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति बाहुल्य ग्रामों में पारा, मजरा, टोलों में देवस्थल के विकास हेतु राशि स्वीकृत की जाती है। इसके अंतर्गत अब तक 75 देवगुड़ी हेतु 85 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की गई है।

उपमुख्यमंत्री सिंहदेव से मिला चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान एवं मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 8 अगस्त 2023 को चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल, फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मेनुफेक्चरर एसो.एवं रायपुर स्वीट्स एंड स्नैक्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री तथा वाणिज्यकर टी.एस. सिंहदेव से मुलाकात कर जीएसटी को लेकर मिठाई व नमकीन उद्योग से संबंधित सुझावों पर ज्ञापन सौंपा जिस पर मंत्री ने सकारात्मक कदम उठाने की बात कही।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष पारवानी ने बताया कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं वाणिज्यकर मंत्री माननीय टी.एस. सिंहदेव जी से मुलाकात कर जीएसटी को लेकर मिठाई व नमकीन उद्योग से संबंधित सुझावों पर ज्ञापन सौंपा जिसमें फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मेनुफेक्चरर एसो. एवं रायपुर स्वीट्स एंड स्नैक्स एसोसिएशन के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड स्नैक्स एसोसियेशन के अध्यक्ष संजय सिंघानिया ने भी मिठाई एवं नमकीन उद्योग में जीएसटी से संबंधित आ रही विभिन्न परेशानियों को रखा और बताया कि एक ही काउंटर से, एक ही शोरूम से अलग-अलग जीएसटी वाले कई उत्पाद दिए जाते हैं, जिससे ग्राहकों के बीच भ्रम की स्थिति भी बनी रहती है। बैठक में चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, मंत्री नीलेश मूंधड़ा, फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड स्नैक्स मेनुफेक्चरर एसोसियेशन के अध्यक्ष संजय सिंघानिया, रायपुर स्वीट्स एंड स्नैक्स एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेश पारख, महेश खिलोसिया सहित विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वनांचल के आश्रम छात्रावास के उन्नयन से बच्चों को मिला बेहतर वातावरण

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दूरस्थ अंचल के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए स्कूल, आश्रम, छात्रावास, छात्रवृत्ति सहित बेहतर माहोल के साथ दी जा रही शिक्षा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा अनुसार विगत 5 वर्षों में बस्तर, रायपुर सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग संभाग की अनेक संस्थाओं का आदर्श छात्रावास के रूप में उन्नयन किया गया है। ताकि बच्चों को बेहतर वातावरण में शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके बस्तर संभाग के 7 जिला में प्रत्येक जिलों में 10 छात्रवास,आश्रम तथा जिला गरियाबंद एवं धमतरी में 5--5 छात्रवास,आश्रम शालाओं का उन्नयन हेतु 80 संस्थाओं के लिए 25 लाख प्रति भवन के मान से बजट जारी कर संस्थाओं को आदर्श संस्था के रूप में विकसित किया गया है।

इसी प्रकार सरगुजा संभाग के 4 जिलों सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर एवं कोरिया जिले में 10 छात्रवास आश्रम एवं जशपुर जिले में 12 छात्रवास आश्रम कुल 52 संस्थाओं को तथा कोरबा जिले में 12 गौरेला-पेंड्रा-मरवाही 6 इस प्रकार कुल 70 संस्थाओं को आदर्श के रुप में उन्नयन किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन ने वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में प्रदेश के कुल 16 जिलों के 150 छात्रवास आश्रम शाला भवनों के आदर्श रूप में उन्नयन के लिए 3750.00 लाख की स्वीकृति विभाग द्वारा की गई है। कार्यों को पूरा कर लिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में जिला मुंगेली, बलौदा बाजार एवं बेमेतरा में 5--5 जिला दुर्ग रायगढ़ एवं रायपुर के 10--10 तथा जिला बालौद, बिलासपुर, एवं राजनांदगांव की 8--8 संस्थाओं कुल 93 छात्रवास आश्रम शाला भवनों को आदर्श संस्था में उन्नयन किए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं।कुल 2325.00 लाख की स्वीकृति विभाग द्वारा की गई है। वित्तीय वर्ष 2023--24 में राज्य के समस्त जिलों में 1243 छात्रवास आश्रम में अनुरक्षण अंतर्गत 500 संस्थाओं में गोबर पेंट का कार्य लिया गया। जिसमें राशि रुपए 1796.00 लाख का बजट का प्रावधान किया गया है। साथ ही प्रदेश के 44 नवीन एकलव्य आर्दश विघालयों में छात्रों की आवासीय सुविधा हेतु 86 छात्रवास आश्रमों में प्री-फेब्रिकेटेड शयन कक्ष एवं शौचालय निर्माण हेतु राशि 2765.76 लाख का बजट का प्रावधान किया गया है।

जनता की सहूलियत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताः मंत्री ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण, गृह, पर्यटन, कृषि एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू जिले का प्रभार दूसरी बार मिलने के बाद आज एक दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर पहुंचे। उन्होंने झूलेलाल मंगलम भवन में थोक फल सब्जी उपमंडी तिफरा पहुंच मार्ग का भूमिपूजन एवं शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी। मंडी बोर्ड निधि से 4 करोड़ 14 लाख की लागत से सड़क नवीनीकरण कार्य, नाली निर्माण एवं विद्युतीकरण कार्य किया जाएगा। इस सड़क निर्माण कार्य की लंबे समय से मांग की जा रही थी। सड़क के बन जाने से किसानों, फल विक्रेताओं सहित आम लोगों को बारहमासी पहुंच मार्ग की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश

देवांगन ने की। प्रभारी मंत्री श्री साहू ने इस अवसर पर कहा कि बिलासपुर के लोगों को सुविधा देने का हर संभव प्रयास हमारी सरकार द्वारा किया जा रहा है। जनता की सहूलियत हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्य अतिथि के आसंदी से प्रभारी मंत्री श्री साहू ने कहा कि इस सड़क निर्माण कार्य से किसानों, फल और सब्जी विक्रेताओं के अलावा अन्य लोगों को भी लाभ मिलेगा। आमजन की आधारभूत सुविधाओं का ख्याल रखना जरूरी है। आधारभूत सुविधाओं में सड़क भी शामिल है। लोगों को गुणवत्तापूर्ण सड़क की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश के हर वर्ग के विकास के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रभारी मंत्री को फल एवं सब्जियों से तौलकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि आशीष सिंह ने कहा कि सड़क बन जाने से मंडी तक आवागमन में लोगों को सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों, ग्रामीणों सहित हर वर्ग एवं गांवों का तेजी से विकास हो रहा है।

कार्यक्रम में बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक शैलेष पाण्डेय, महापौर रामशरण यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मण्डल अध्यक्ष अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, अरपा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभयनारायण राय, अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चंद्राकर, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष प्रमोद नायक, नगर निगम सभापति शेख नजरूद्दीन, कलेक्टर संजीव कुमार झा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे।

नाम परिवर्तन

मैं हरेन्द्र शर्मा पिता श्री विरेन्द्र शर्मा, उम्र 33 वर्ष, निवासी-शिव नगर, नेवई भाठा, स्टेशन मरोदा, भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) का निवासी हूं। मैंने पिंकी शर्मा पिता-स्व. संतोष दुबे से दिनांक 18/10/2020 को हिन्दू रीति रिवाज के साथ आर्य समाज मंदिर बैजनाथ पारा, रायपुर (छ.ग.) में विवाह किया हूं। मेरी पत्नी के पूर्व पति कल्पनारायण पाण्डेय के दाम्पत्य जीवन से पुत्र रूद्र पाण्डेय उर्फ ईशात पाण्डेय का जन्म हुआ था जिसे मैंने रजिस्टर्ड गोदनामा स्वरूप गोद ले लिया हूं जिसका वर्तमान में मैं पालक व दत्तक पिता हूं। मेरा दत्तक पुत्र रूद्र पाण्डेय उर्फ ईशांत पाण्डेय का नाम उनके विद्यालयों के दस्तावेजों में रूद्र पाण्डेय, पिता-श्री कल्पनारायण पाण्डेय, माता- श्रीमती पिंकी पाण्डेय दर्ज है तथा उनके आधार कार्ड में उनका नाम ईशांत शर्मा पिता-श्री हरेन्द्र शर्मा दर्ज है। अत: समस्त शासकीय व अशासकीय दस्तावजों में मेरे पुत्र ईशांत शर्मा को वर्तमान व भविष्य में ईशांत शर्मा, पिता श्री हरेन्द्र शर्मा, माता श्रीमती पिंकी शर्मा के नाम से जाना, पहचाना व पुकारा जावे।

हरेन्द्र शर्मा
नेवई भाठा, स्टेशन मरोदा,
भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.)

रीपा में निर्मित स्थानीय राखियों से सजेंगी भाइयों की कलाइयाँ

श्रीकंचपनथ न्यूज

सूरजपुर। रक्षाबंधन, भाई-बहन के प्यार का प्रतीक माना जाता है। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व, जो पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। जहां एक ओर इस त्योहार में चाइना से बनी राखियों से बाजार भर जाता है, और देश की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा दूसरे देश में चले जाता है। वही इस वर्ष छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांछी योजना महात्मा गांधी रुरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) अंतर्गत स्थानीय स्तर पर ही राखियों का निर्माण कर बाजार में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत लीना कोसम के मार्गदर्शन में जिले के कृष्णपुर ग्राम पंचायत में स्थापित रुरल इंडस्ट्रियल

पार्क (रीपा) में बिहान योजना द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा स्थानीय स्तर पर ही हस्तनिर्मित राखियों का निर्माण किया जा रहा है। समूह की महिलाओं के द्वारा सब्जियों के बीज, धान, बांस, मोतियों और रंग बिरंगे धागों से आकर्षक राखियों का निर्माण किया जा रहा है। ये रखियाँ स्थानीय कला के माध्यम से बनाई गई हैं, और इनमें स्थानीय संस्कृति और परंपराओं की छवि दिखाई जाती है। विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक माधुरी भण्डारी ने बताया की विकासखंड में महिला स्व सहायता समूह में महिलाओं द्वारा पूर्व में भी त्योहारों में रंग बिरंगे दिये, रखियाँ, गुलाल आदि का निर्माण करते आ रही है, किन्तु पहले यह बहुत सीमित मात्रा में ही किया जाता था। विगत वर्षों में उत्पादों का विक्रय कर महिलाओं में इस कार्य को करने का उत्साह बना हुआ था, किन्तु स्थान एवं पूंजी के अभाव में वे इसे वृहद स्तर पर नहीं कर पाती थी। छत्तीसगढ़ शासन की रीपा योजना से मशीनरी एवं सीड केपिटल मद से 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुआ एवं एक बड़ा शेड का निर्माण किया गया है। उक्त आर्थिक सहायता से महिलाओं द्वारा राखी, दिया, कपूर, मोमबत्ती, गुलाल, और अन्य त्योहार आधारित सामाग्री एवं पूजा सामग्री का निर्माण प्रारम्भ किया गया है। माया स्व सहायता समूह की सदस्य सुनीता ने बताया की रीपा योजना द्वारा मिली आर्थिक सहायता से उनके समूह के सदस्यों ने इस बार अब तक 1.5 लाख रुपए से अधिक मूल्य की राखियाँ तैयार की गयी हैं, उक्त रखियों को स्थानीय बाज़ारों में होलसेल दुकानों में विक्रय किया जा रहा है, साथ ही जिला, विकासखंड मुख्यालय, विभिन्न हाट-बाजार जैसे महत्वपूर्ण स्थानो में स्वयं भी स्टाल लगा कर विक्रय किए जाने की तैयारी की गयी है।

आयुष्मान कार्ड बनाने में राज्य का धमतरी जिला दूसरे स्थान पर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैय्या कराने के तारतम्य में आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड बनाने के मामले में धमतरी जिला राज्य में दूसरे स्थान पर है। जिले के कलेक्टर ऋतुराज रघुवंशी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंडल के मार्गदर्शन में शासन के महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान-भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। धमतरी जिले में 4 और 5 अगस्त को स्कूलों, छात्रावासों, आंगनबाड़ी केंद्रों, राशन दुकानों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों में विशेष अभियान के माध्यम से 9 हजार 700 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

भिलाई स्टील प्लांट से हो रहा था लोहा चोरी, पुलिस की गिरफ्त में आए तीन नाबालिग सहित 13 बदमाश

नाली के रास्ते से भिलाई स्टील प्लांट के अंदर करते थे प्रवेश, 39 लोहे की सेंटरिंग प्लेट किया पार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले की भट्टी पुलिस ने भिलाई इस्पात संयंत्र अवैध रूप से प्रवेश कर चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। पुलिस ने तीन नाबालिगों के साथ ही कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा इस पूरे मामले का खुलासा किया। आरोपियों के पास से पुलिस ने 39 लोहे की सेंटरिंग प्लेट और घटना में प्रयुक्त वाहन जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ आगे की कार्रवाई भट्टी पुलिस द्वारा की गई।

दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने बताया कि 5 स्टार कंस्ट्रक्शन कंपनी के सुपरवाइजर आशिष कुमार असाटी ने भट्टी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वो सेक्टर 4 में रहता है और भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर यूनिवर्सल रेल मील में सिविल कंस्ट्रक्शन का काम देखता है। वहां ढ़लाई के लिए 200 से अधिक सेंट्रिंग प्लेट रखी थीं। इसमें से कुछ लोगों ने 39 प्लेट चोरी कर ले गए हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग एसपी ने एण्टी क्राइम सायबर युनिट प्रभारी निरीक्षक संतोष मिश्रा, थाना प्रभारी भिलाई भट्टी विपिन रंगारी के नेतृत्व में एसीसीयू एवं थाना की एक संयुक्त टीम गठित की। टीम ने मामले की पतासाजी के लिए अपने मुखबिर अलर्ट किए और मामले की तसीश शुरू की।

पुलिस ने आरोपियों के पास 39 नग लोहे का सेंट्रिंग प्लेट तथा घटना में प्रयुक्त वाहन टाटा एस जुमला कीमती तकरीबन 2.5 लाख जब्त किया गया। इस पूरी कार्रवाई में एण्टी क्राईम सायबर यूनिट से एएसआई शमित मिश्रा, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र मंढरिया, आरक्षक अरविंद मिश्रा, नितिन सिंह, भावेश पटेल, गुणित निर्मलकर, विक्रान्त कुमार एवं थाना भिलाई भट्टी से एसआई बीआर मरकाम, आरक्षक जगमोहन, कौशल सिन्हा, मनीष कुमार की उल्लेखनीय भूमिका रही।

कबाड़ी को बेचा था सेंट्रिंग प्लेट

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि खुर्सीपार निवासी सागर गुप्ता और शेख शब्बीर नाम के लड़के अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर कही से सेंट्रिंग प्लेट चोरी किया है। आधे प्लेट को कबाड़ी के पास बेचे है और आधे प्लेट को अपने पास रखे है कि सूचना पर उक्त दोनों को घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया। पूछताछ पर इनके द्वारा 2 व 3 अगस्त 2023 की दरम्यानी रात को अपने अन्य साथी तुषार वर्मा, सुमित दास, उदय पाण्डेय, मो.राहीन, हिमांषु प्रसाद, अभय बघेल व 03 अन्य नाबालिग साथियों के साथ चोरी की करने की बात बताई।

तेलहा नाला के रास्ते करते थे प्लांट में प्रवेश

आरोपियों ने बताया कि वे सभी खुर्सीपार के तेलहा नाला से होते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर प्रवेश किए। इसके बाद युनिवर्सल रेल मील के पास रखे सेंट्रिंग प्लेट के ढ़ेर मे से 39 नग लोहे की सेंट्रिंग प्लेट को नाले के रास्ते से ही बाहर निकाल कर ले भागे। इनमें से आधा सेंट्रिंग प्लेट को अपने साथी टाटा एस के चालक जाफर अली के वाहन क्रमांक सीजी 07 बीएक्स 0856 में भरकर कबाड़ी धनेश राय को बेच दिया। शेष सेंट्रिंग प्लेट अपने पास छिपाकर रखे थे। आरोपियों के कुबूलनामे के बाद पुलिस ने 3 नाबालिगों सहित सभी चोरों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने कबाड़ी धनेश राय व टाटा एस चालक जाफर अली को को भी गिरफ्तार किया।

खास-खबर

बेशकीमती लकड़ी परिवहन करते 2 आरोपी गिरफ्तार

जशपुर (ए)। जिले के बगीचा वनपरिक्षेत्र में जंगलों की अवैध कटाई पर वन विभाग ने कार्रवाई की है। आज वन विभाग की पेट्रोलिंग टीम ने जंगल से अवैध कटाई करने वाले दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से रतनापाठ जंगल में काटे गए साल के चार पेड़ सहित पिकअप वाहन को भी जब्त किया गया है। बगीचा रेंज अधिकारी अशोक सिंह ने जंगल में अवैध कटाई करने वाला मुख्य आरोपी प्रदीप भगत सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर इमारती लकड़ियों से भरी वाहन को राजसात करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इन दिनों बादलखोल अभ्यारण्य में वन अमला की अनुपस्थिति का लाभ उठा कर वन माफिया के लोग हरेभरे कीमती पेड़ों की दिनदहाड़े अवैध कटाई कर रहे हैं। वन माफिया के लोगों ने बगीचा वन परिक्षेत्र का रतनापाठ जंगल में साल के हरेभरे कीमती पेड़ो की अवैध कटाई की जा रही थी। इसकी सूचना मिलते ही वन विभाग की पेट्रोलिंग टीम ने जंगल पहुंच कर वन माफिया के दो सदस्यों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

पालतू कुत्ते की हत्याः चाट-गुपचुप वाले ने मारी ईंट लेब्राडॉग की हो गई मौत, पुलिस ने दर्ज किया केस

भिलाई। दुर्ग जिले के छावनी थाना क्षेत्र में पालतू कुत्ते की हत्या का मामला सामने आया है। जलेबी चौक निवासी फर्निचर व्यवसायी ने अपने पालतू कुत्ते की हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। फर्निचर व्यवसायी की शिकायत पर छावनी पुलिस ने चाट-गुपचुप का टेला लगाने वाले शख्स के खिलाफधारा 429 (पशु की हत्या) के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार जायसवाल फर्नीचर जलेबी चौक कैम्प -1 निवासी शिव कुमार जायसवाल ने अपने पालतू कुत्ते की हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में उन्होंने बताया कि बुधवार की सुबह उनका छोटा भाई आयुष जायसवाल मोहल्ले के जयराम किराना स्टोर्स में घर के पालतू कुत्ते लेब्राडोर को अपने साथ पैदल बिस्किट लेने गया था। कुछ देर बाद कुत्ते के साथ घर आया तो वह तड़प रहा था। आयुष से कुत्ते के तड़पने को लेकर पूछने पर उसने बताया कि रोजादीन गुपचुप वाले ने उनके कुत्ते को ईंट से मारा है। शिव जायसवाल ने जब कुत्ते की जांच की तो उसके सिर पर चोट का निशान था और उसकी सांसे भी नहीं चल रही थी। शिवकुमार ने बताया कि रोजादीन गुपचुप वाले द्वारा ईंट मारे जाने से उनके पालतू कुत्ते लेब्रा डॉग की मौत हुई है।

एलआईसी का बोनस दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

बिलासपुर (ए)। इन दिनों ठगों के हौसले बढ़ते ही जा रहे हैं। हर दिन खबर ठगी नई खबर आती रहती है और ठग हर अगले दिन नए शिकार की तलाश में लगे रहते हैं। एलआईसी का बोनस दिलाने का झांसा देकर आरोपी ने ठगी है। बता दें कि बिलासपुर के चकरभाठा थाना क्षेत्र का एक मामला सामने आया है जिसमें आरोपी ने हाईकोर्ट कर्मी को अपना शिकार बनाया है। आरोपी ने हाईकोर्ट कर्मी को LIC का बोनस दिलाने का झांसा दिया और उससे 4 लाख की ठगी है। पीड़ित इसकी शिकायत लेकर चकरभाठा थाना जा पहुंचा और उसने अपनी आपबीती बताई जिसके बाद पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। फिलहाल इस मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है और आरोपी की खोजबीन की जा रही है।

स्मार्ट पुलिसिंगः पुलिस ने बनवाया ऐसा सॉफ्टवेयर एक क्लिक में खुल जाएगी अपराधियों की कुंडली

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने स्मार्ट पुलिसिंग की नई पहल की है। बीआईटी के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के साथ मिलकर दुर्ग पुलिस ने चेहरे की पहचान करने वाला सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस सॉफ्टवेयर की मदद से दुर्ग पुलिस और भी स्मार्ट हो गई है। Facial Recognition Software की मदद से दुर्ग पुलिस सभी अपराधियों का फेस डेटा रखेगी। इसके बाद किसी भी संदेही का फोटो खींचकर डालते ही सॉफ्टवेयर उसके अपराध की पूरी कुंडली खुल जाएगी।

दुर्ग एसपी शलभ कुमार सिन्हा ने इसकी विस्तृत जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्र में लगातार हो रहे अपराध की घटनाओं को देखते हुए एवं अपराधियों की त्वरित पहचान के लिए पुलिस की सहायता करने Coding Wizard Gorup द्वारा चेहरे की पहचान करने वाला सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। Software में दुर्ग जिले के पिछले दस साल के 5000 अपराधियों का Database बनाया गया है एवं छत्तीसगढ़ राज्य के अन्य जिलों के भी अपराधियों की एंट्री की जा रही है।

जिले के सभी थानों का बनाया अकाउंट

एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर में में जिले के सभी थानो का अकाउंट बनाया गया है। जिसके माध्यम से पुलिस अपने अकाउंट से लॉग इन कर पेट्रोलिंग व रात्रीगश्त के दौरान मिलने वाले संदेही व आरोपियों को फोटो अपलोड किया जा रहा है। AI. Bot की सहायता से एक क्लिक में अपराधियों का अपराधिक रिकार्ड तुरंत मिल जाता है। Software में संदेही, आरोपी, निगरानी गुण्डा बदमाश की पूरी जानकारी जोड़ा जा रहा है। एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि इस ओर आगे बढ़ते हुये द्वितीय चरण में वीडियो में दिखने वाले आरोपियों की भी पहचान की जा सकेगी। भविष्य में सॉफ्टवेयर को आईटीएमएस के साथ जोड़ कर सीसीटीवी में रियल टाईम अपराधियों के गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी।

बालोद के पंचायत भवन में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

बालोद (ए)। पंचायत भवन में चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक संजय चन्द्राकर ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि ग्राम पंचायत भवन ग्राम चारभाठा मे लगे कम्प्यूटर का मांनिटर, यूपीएस, प्रिटर, इंडेक्सन एंव एक एचपी का मोटर पंप कुल जुमला कीमती 49000 रुपये को कोई अज्ञात चोर द्वारा ग्राम पंचायत भवन का ताला तोडकर चोरी कर ले गया है की रिपोर्ट पर थाना गुण्डरदेही मे अपराध क्रमांक 309/23 धारा 457, 380 भादवि पंजीबद्व कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक के निर्देशन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुविभाग गुण्डरदेही गीता वाधवानी के पर्यवेक्षण व थाना प्रभारी गुण्डरदेही निरीक्षक वीणा यादव के नेतृत्व मे, थाना गुण्डरदेही पुलिस के द्वारा आरोपी पता तलाश दौरान संदेही वासुदेव बाण्डे, सीताराम सेन, पंकज साहू सभी निवासी चारभांठा थाना गुण्डरदेही को थाना गुण्डरदेही लाकर पुछताछ कर कथन लिया गया जिन्होने बताया की दिनांक 24.07.2023 के रात्रि करीबन 11:30 बजे ग्राम पंचायत भवन चारभांठा के पंचायत भवन का ताला तोडकर प्रवेश कर अंदर रखे प्रिंटर मशीन सबमर्सिबल मोटर पंप, युपीएस, कम्प्युटर मॉनिटर व इंडेक्शन को चोरी करना स्वीकार किये।

आरोपीयो के कब्जे से चोरी गये सामान प्रिंटर मशीन, सबमर्सिबल मोटर पंप, युपीएस, कम्प्युटर मॉनिटर किमती 46,000 रूपये को बरामद कर दिनांक 09.08.2023 को गिरफ्तार कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है। प्रकरण के एक अन्य आरोपी शीतल मेश्राम का पता तलाश जारी है।

डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही

जिंदा बच्ची को बताया मृत, शरीर में हुई हलचल तब परिजनों का फूटा गुस्सा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में डॉक्टर्स की लापरवाही देखने को मिली है। बैरनबाजार स्थित सांई सुश्रुषा अस्पताल में डॉक्टर जिंदा बच्चियों को मरा हुआ बताया। लेकिन मृत बच्चियों के पैकिंग की समय एक बच्ची की शरीर में हलचल हुई, इससे पता चला की बच्ची अभी जिंदा है। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में बवाल खड़ा कर दिया।

जानकारी के अनुसार, महिला डिलीवरी के लिए सांई सुश्रुषा अस्पताल में भर्ती हुई। बीते दिन मंगलवार की सुबह 3 बजे उसने जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया। इस दौरान हॉस्पिटल प्रबंधन ने अंजनी सारस्वत को बताया कि डिलीवरी प्री-मैच्योर है। डिलीवरी के समय एक बच्ची की मौत हो गई है। फिर कुछ देर बाद डॉक्टर्स ने दूसरी बच्ची को भी मृत बताया।

इसके बाद डॉक्टर्स ने दोनों मृत बच्चियों के शव को पैकिंग करने के लिए पिता कफन मंगाया गया। दोनों बच्चियों के शव को पैकिंग किया जा रहा था तभी एक बच्ची के शरीर में हलचल हुई। जिसके बाद इसके बारे में डॉक्टर को बताया गया। लेकिन उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। परिजनों के काफी दबाव बनाने पर डॉक्टरों ने बच्ची की जांच की। फिर से जांच करने पर एक बच्ची को जिंदा बताया गया। इस बात का पता चलते ही परिजनों ने हॉस्पिटल में हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल में परिजनों ने जमकर बवाल किया। सूचना पर पुलिस अस्पताल पहुंची और परिजनों को समझाबुझाकर शांत कराया। मृत बच्ची का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और और जिंदा बच्ची को आईसीयू में भर्ती कराया गया। परिजनों ने इस मामले में आरोपी डॉक्टर के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई को करने की मांग की है।

राजनांदगांवः खेत में काम करने गए दंपत्ति की करंट लगने से मौत

राजनांदगांव (ए)। खेत-बाड़ी में खाद का छिड़काव करते समय करंट लगने से बुजुर्ग किसान दंपती की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। घटना शहर से लगे ग्राम सुरगी की है। जहां बुजुर्ग किसान योगूराम साहू (60 वर्ष) अपनी पत्नी पार्वती बाई (55 वर्ष) के साथ घर के पीछे खेत-बाड़ी में खाद का छिड़काव करने गए थे। किसान की बाड़ी में कुआ है, जिसमें मोटर पंप लगा है। इसी पंप का सर्विस तार टूटकर झूल रहा था। खाद छिड़काव करते हुए किसान योगूराम करंट की चपेट में आ गया। पति को देख पार्वती बाई बचाव के लिए दौड़ते आयी और वो भी करंट की चपेट में आ गई। दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। मामले पर सुरगी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

सुरगी पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार की शाम करीब साढ़े-पांच से छह बजे की है। लेकिन गांव में किसी को इसकी कोई खबर नहीं थी। किसान दंपती मृत अवस्था में खेत पर ही पड़े थे। शाम करीब सात बजे खैरागढ़ में शादी होकर गई मृतक योगूराम साहू की बेटी ने गांव में ही रहने वाली बड़ी बहन को फोन कर माता-पिता की जानकारी ली। बताया कि लगातार फोन करने पर भी दोनों फोन उठा नहीं रहे हैं। इसके बाद गांव में रहने वाली मृतक योगूराम की बेटी ने अपने पति महेश साहू व भतीजे लोकेश साहू को घर भेजा।

दामाद महेश साहू ने बताया कि दोनों खाद लेकर खेत गए थे। जब महेश अपने ससुराल पहुंचा तो घर पर बिजली बंद थी। घर के पीछे खेत-बाड़ी में पहुंचा तो दोनों की लाश खेत में पड़ी थी। इसके बाद महेश ने ग्रामीणों के माध्यम से सुरगी पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही सुरगी पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और किसान दंपती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंगलवार को गमगीन माहौल में किसान दंपती का दाह संस्कार किया गया। सुरगी पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

शिवमहापुराण कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के श्री रामदेव बाबा मंदिर, गंजपारा में 9 से 15 अगस्त तक श्री गंगाधर शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया गया है। कथा से पहले बुधवार को कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान कथा व्यास आचार्य डॉ. विक्रांत जी महाराज के मुखारविंद से शिवमहापुराण का वाचन किया जाएगा। कथा शुरू होने से पूर्व श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर से कथा स्थल रामदेव बाबा मंदिर, गंजपारा तक एक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा सत्तीचौरा से प्रारंभ होकर गंजपारा होते हुए कथा स्थल पर जाकर समाप्त हुई। कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं जल से भरा कलश सिर पर रखकर चल रही थी। कथा स्थल पर विधिवत पूजा अर्चना कर कथा का शुभारंभ किया गया। कथा व्यास आचार्य डॉ. विक्रांत जी महाराज नेअमृतमयी शिव महापुराण कथा के महात्म्य से श्रद्धालुओं को जीवन का मर्म समझाया। उन्होंने श्रीरामचरित मानस में वर्णित शिव की महिमा को बताया। कहा, जिसके साथ शिव हैं, शक्ति भी उसी के पास होती है। महाकाल का पूजन और ध्यान अकाल मृत्यु के भय से मुक्त करने वाला होता है। उन्होंने शिव पूजन किए जाने की वजह, विधि और पूजन के लिए प्रयोग किए जाने वाले जल, बेलपत्र, धतूरा आदि के बारे में जानकारी दी। शिशु शुक्ला ने बताया कि दुर्ग में पहली बार होने जा रही श्री गंगाधर शिवमहापुराण कथा 9 से 15 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक श्री रामदेव बाबा मंदिर, गंजपारा दुर्ग में होगी, धर्मप्रेमियों के बैठने लिए मन्दिर परिसर में उचित व्यवस्था की गई है।

राइजिंग पाईपलाइन संधारण के चलते 11 व 12 को बंद रहेगी पानी सप्लाई

भिलाई। नेहरू नगर गुरूद्वारा के सामने मुख्य राइजिंग पाइप में हुई लिकेज को संधारित करने के लिए 11 व 12 अगस्त अर्थात दो दिवस शटडाउन किया जाएग जिससे खुर्सीपार, छावनी, गौतम नगर, हाउसिंग बोर्ड, चंद्रा मौर्या, वैशालीनगर, मदर टेरेसा नगर एवं कोहका क्षेत्र में पेयजल के आपूर्ति बाधित रहेगी। 77 एमएलडी जल शोधन संयंत्र के कार्यपालन अभियंता आर.एस. राजपूत ने बताया कि जल शोधन संयंत्र के मुख्य राइजिंग पाईप के संधारण कार्य होने के कारण 11 एवं 12 अगस्त को चिन्हित क्षेत्र में पानी की सप्लाई बंद रहेगी।

देश के विकास में आदिवासियों का योगदान : कुरैशी

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूद्दीन कुरैशी ने केम्प-1 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के सामने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भिलाई के कांग्रेसजनों ने मोमबत्ती जलाकर देश की आजादी में कुर्बानी देने वाले आदिवासियों को याद कर श्रदांजलि अर्पित किया और उनके परिवार को समृद्धशाली बनाने का कामना किया। कुरैशी ने विश्वआदिवासी दिवस के अवसर पर कहा है कि देश की आजादी से लेकर आज देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है जसे भूलाया नहीं जा सकता। इस अवसर पर कार्यक्रम में विजय साहू, समयलाल साहू, बैजनाथ शुक्ला, सज्जनप्रसाद दिक्षित, नीता लोधी, अनिल सिंह, रामाविश्वकर्मा, महेन्द्र खोब्रागडे, रामवदन भारती, संजय लाखे, तुलसी साहू, मंगलराम साहू, निश कौर, लता, संदीप द्विवेदी, जयनाथ चैहान,लखनूराम बावनकर, रामजी पटेल, भरतलाल ठाकुर, राजू पाल आदि उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया...

छत्तीसगढ़ की संस्कृति आदिवासी संस्कृति से प्रभावित-वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में बीआईटी दुर्ग के आडिटोरियम में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं दुर्ग विधायक अरुण वोरा एवं अन्य अतिथियों ने छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किये।

कार्यक्रम में राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, महापौर दुर्ग धीरज बाकलीवाल एवं पूर्व महापौर भिलाई सुश्री नीता लोधी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेन्द्र साहू, महापौर रिसाली श्रीमती शीला सिन्हा, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा यादव, अखिल भारतीय गोण्डवाना समाज की उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती वेदवती मंडावी, पार्षद चंद्रभान सिंह ठाकुर सहित अन्य समाज प्रमुख, संभागायुक्त महादेव कावरे, कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत के सीईओ अश्वनी देवांगन, आयुक्त नगर निगम भिलाई रोहित व्यास एवं समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। समारोह में छात्रावास के विद्यार्थियों ने मनमोहक पारम्परिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। समारोह में समाज के प्रतिभावान बच्चों को अतिथियों ने अपने करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं विधायक अरुण वोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति आदिवासी संस्कृति से पूरी तरह प्रभावित रहा है। यह दिन विश्वभर में आदिवासी समुदायों के आदिकाल संस्कृति और सभ्यता को समर्पित है।

उनके संरक्षण, सम्मान और विकास को बढ़ावा देने का एक अवसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूमि सोनाखान के शहीद वीरनारायण सिंह और बस्तर भूमकाल के शहीद गैंद सिंग की भूमि है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भुपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार आदिवासी समाज के उत्थान हेतु कार्य कर रही है। सरकार समाज के सशक्त विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई और समाज के प्रतिभावान बच्चों को अपनी शुभकामनायें दी। संभागायुक्त महादेव कावरे ने अपने सम्बोधन में सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी । उन्होंने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संभागायुक्त ने अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत आदिवासी समाज निवासरत हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ में आदिवासियों के भलाई के लिए एक कार्य दल गठित किया था जिसकी बैठक 9 अगस्त 1982 को हुई। और इस दिन से विश्व आदिवासी दिवस हर साल 9 अगस्त को मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। शासन द्वारा समाज को सम्बल बनाने प्रयास किया जा रहा है, हमें शासन की योजनाओं का लाभ लेना है। भिलाई नगर निगम के पार्षद चंद्रभान सिंग ठाकुर ने आदिवासी समाज के पुरखो को स्मरण करते हुए सवैधानिक अधिकारों की ओर समाज का ध्यान आकृष्ट किया।

श्रीमती चंद्रिका रावटे ने वर्तमान में समाज की स्थिति पर विस्तार से प्रकाश डाला। अखिल भारती गोंडवाना समाज की उपाध्यक्ष डॉ श्रीमती वेदवती मंडावी ने सभी को विश्व मूल निवासी दिवस की शुभकामनाए दी। उन्होंने कहा कि इसे हम समाज की जागरूकता दिवस भी कह सकते है। उन्होंने आदिवासियों के उत्थान व पहचान एवं संस्कृति को रेखांकित किया। उन्होंने समाज के लोगो से उठो जागो और संघर्ष करने का आह्वान किया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जेइइ मेन्स उत्तीर्ण करने वाले छात्र परमेश्वर ग्राम बेलमंद (डौण्डी) और कुमारी कावेरी माण्डवी राजनांदगॉव तथा नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर कुमार दीपीका नाग राजनांदगॉव को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

कोक ओवन के कर्मचारी कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत 08 अगस्त 2023 को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक दवारा बेहतर कार्यशैली के लिए षिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार ने जुलाई 2023 के लिए मास्टर तक्नीषियन बिरेन्द्र कुमार तथा ओसीटी अवध बिहारी कुषवाहा को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। विजेताओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रषंसा पत्र प्रदान किया गया। तरुण कनरार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को इसी तरह लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए प्रेरित किया। इस समारोह में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के अनुभाग प्रमुख व महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) बी पासवान, सहायक महाप्रबंधक (सीओ सीसीडी) एस एल पटेल, सहायक महा प्रबंधक (सीओसीसीडी) पी जी राधा कृष्णन, प्रबंधक आनंद खरात सहित कार्मिक अधिकारी श्रीमती अंजली राणा तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी हेमंत कुमार भुआर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

महापौर नीरज पाल ने सेक्टर एरिया में किया निरीक्षण

डेंगू के रोकथाम के लिए निगम प्रशासन कर रहा कारगर उपाय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर निगम के महापौर एम.आई.सी. मेम्बर, पार्षद के साथ सेक्टर 02 क्षेत्र का भ्रमण कर जल जनित बिमारी विशेषकर डेंगू के बढ़ रहे प्रभाव का जायजा लिया और लोगो से संपर्क कर डेंगू के रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय करने एवं सजग रहने की सलाह दी।

महापौर नीरज पाल, आज महापौर परिषद के सदस्य रीता सिंह गेरा, चंद्रशेखर गंवई, पार्षद सेवन ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के साथ सेक्टर 02 के घरों में संपर्क कर लोगो से उनकी स्थिति की जानकारी ली। महापौर ने लोगो से कहा की घर में कहीं भी बरसाती पानी को एकत्र न होने दे इसके लिए आवश्यक है कि घर के गमले, कबाड़ में पड़े सामान, पुराने टायर की जॉच करते रहें, अपने घर व आस पास स्वच्छता का ध्यान रखे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निगम द्वारा डेंगू के रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों से संबंधित अधिकारियों से जानकारी लिए लेते हुए टेमिफास वितरण, मैलाथियान का छिड़काव, कूलर व टंकी के जांच को नियमित जारी रखने के निर्देश दिए, और उन्होंने नागरिकों से जल जनित बिमारी के किसी भी तरह की संभावना दिखने पर तत्काल नजदिकी स्वास्थ्य केन्द्र से चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी। बता दे कि निगम के स्वास्थ्य विभाग का अमला गली-मोहल्लों के घर घर जाकर कूलर, पानी टंकी व अन्य पात्र जिसमें पानी भरा है, उसकी जांच कर आवश्यकता अनुसार खाली करा रहे है, प्रतिदिन कूलर और पानी टंकी की जांच हो रही है ताकि मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों से आम जन को बचाया जा सके। महापौर नीरज पाल और निगम आयुक्त रोहित व्यास ने डेंगू रोकथाम अभियान को गंभीरता से लेते हुए टीम बनाकर कार्य करने और अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है। मच्छर का लार्वा के रोकथाम के लिए लाउडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता के लिए मुनादी भी कराई जा रही है। डेंगू तथा मलेरिया के उन्मूलन के लिए लोगों को जागरूक करने घर घर पाम्प्लेट बांटे जा रहे है।

घेराव करने पहुंचे आप नेताओं का विधायक वोरा ने किया आत्मीय स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आम आदमी पार्टी की दुर्ग इकाई वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा के निवास का घेराव करने पहुंची थी जिन्हें पुलिस बेरिकेटिंग से रोक लिया गया। किन्तु विधायक वोरा ने खुद ही बेरिकेटिंग हटवाकर उनका स्वागत किया और काफी देर तक प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं दुर्ग शहरी क्षेत्र में हो रहे सर्वांगीण विकास की फेहरिस्त बताई।

वोरा ने निवास स्थित शिव मंदिर में पूजा करने के बाद आप नेताओं से बात की उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान भोले शंकर सभी प्रकार के वरदान देने के लिए जाने जाते हैं उसी तरह मुख्यमंत्री भूपेश ने भी सर्वहारा वर्ग की सभी आवश्यकताओं के लिए अभूतपूर्व योजनाएं प्रारम्भ की हैं जो प्रदेश के जनमानस के लिए वरदान साबित हो रही हैं। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की बात हो या शहर के विकास कार्यों की हर जगह भूपेश सरकार अव्वल है इसी कारण ही वे 2 बार सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री चुने जा चुके हैं। विकास का छत्तीगढ़ मॉडल पूरे देश मे चर्चित है।

पिछले साढ़े 4 वर्षों में सरकार ने एक एक पाई जनकल्याण के लिए सदुपयोग में लाया है।किसानों की कर्ज माफी-राजीव गांधी किसान न्याय योजना,पशु पालकों के लिए गोधन न्याय एवं गोठान योजना। श्री धन्वंतरि सस्ती दवा दुकान। सी-मार्ट से छत्तीसगढ़ को अपनी सांस्कृतिक विरासत अनुरूप सुपर बाजार देना।महतारी दुलार योजना। युवा बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता प्रदान किया गया,शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना,दाई दीदी क्लिनिक, हर वार्ड में हमर क्लिनिक, कई तरह की बीमारियों की मुफ्त जांच हेतु हमर लैब, हाट बाजार से पुरातन व्यापार को संवर्धित करना, नरवा गरवा घुरवा बाड़ी से ग्रामीण क्षेत्रों का आर्थिक सशक्तिकरण, आदिवासियों को उनका अधिकार, ऐसी अनेकों योजनाएं जनता को सीधे लाभान्वित कर रही हैं।

कोक ओवन के कर्मचारी कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत 08 अगस्त 2023 को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक दवारा बेहतर कार्यशैली के लिए षिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार ने जुलाई 2023 के लिए मास्टर तक्नीषियन बिरेन्द्र कुमार तथा ओसीटी अवध बिहारी कुषवाहा को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। विजेताओं को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रषंसा पत्र प्रदान किया गया। तरुण कनरार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी।

उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को इसी तरह लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए प्रेरित किया।

इस समारोह में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के अनुभाग प्रमुख व महाप्रबंधक समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक बी पासवान, सहायक महाप्रबंधक एस एल पटेल, सहायक महाप्रबंधक पी जी राधा कृष्णन, प्रबंधक आनंद खरात सहित कार्मिक अधिकारी श्रीमती अंजली राणा तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने नगरीय निकायों की बैठक में आवारा पशुओं के व्यस्वस्थापन हेतु कार्योजना पर चर्चा की

पशुओं को सड़कों पर छोड़ा तो पहले होगी काउंसलिंग, फिर कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने नगरीय निकायों की बैठक में जिले को कैटल फ्री बनाने की दिशा में विशेष कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं के खतरे को संज्ञान में लाया गया तथा पशुओं के नियंत्रण में आने वाली कठिनाईयों का मूल्यांकन किया गया। साथ ही कलेक्टर ने नगरीय गौठानों में पशु चिकित्सक दल की व्यवस्था संबंधी निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि आवारा पशुओं को नियंत्रित करने निगम द्वारा लगातार गौठानों में शिफ्ट किया जा रहा है। पशु पालकों के बार-बार पशुओं के छोड़े जाने के कारण इस दिशा में शत प्रतिशत निराकरण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने इसके निराकरण हेतु व्यापक योजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि यह पहल सिर्फ़पशुओं को नियंत्रित करने के बारे में नहीं है, बल्कि नागरिकों के बीच जवाबदेही की भावना को बढ़ावा देने के बारे में है।

पहले काउन्सलिंग फिर कार्रवाई

कलेक्टर ने सड़कों पर पशु छोड़ने पर पशु पालकों को पहले समझाने का सुझाव दिया और उन्हें उनकी जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने कहा। अगर कोई नागरिक बार बार यह गलती दोहराता है तो जुर्माने के साथ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके अंतर्गत एएसडीएम अपने न्यायालय में इसकी सुनवाई करेंगे। ताकि उन्हें सीख मिले और समाज में जागरूकता बढ़े।

पशु टैगिंग और मॉनिटरिंग

कलेक्टर ने गौठानों में लाए गए पशुओं की पहचान करने के लिए सभी पशुओं की टैगिंग करने कहा। इससे पशुओं की शहर में आवाजाही का प्रबंधन करने में मदद मिलेगी, साथ ही ऐसे पशुपालकों की पहचान भी की जा सकेगी जो बार बार पशुओं को सड़कों पर छोड़ देते हैं।

गौठानों में ही पशु चिकित्सालय

कलेक्टर ने गौठानों में पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वहीं पर चिकित्सा उपलब्ध कराने कहा। इस संबंध में उन्होंने उप संचालक वेटनेरी को गौठानों में चिकित्सा दल (डॉक्टर और सहायक) की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा। पशुओं के स्वास्थ्य देखभाल के साथ यह दल पशुओं की टैगिंग प्रक्रिया भी करेगा। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, भिलाई नगर निगम आयुक्त रोहित व्यास, दुर्ग नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर व रिसाली नगर निगम आयुक्त आशीष देवांगन के साथ संयुक्त कलेक्टर, डीप्टी कलेक्टर, एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसपी के 3 अधिकारियों को सेल कारपोरेट अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल के कार्यपालक अधिकारियों को वर्ष 2021-22 में क्षेत्र विशेष में किए गए उल्लेखनीय कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सेल कॉर्पोरेट अवार्ड से सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है। इसी तारतम्य में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तीन अधिकारियों को सेल कॉर्पोरेट अवार्ड फॉर एक्सीलेंस से सम्मानित किया जाएगा। अनुसंधान एवं विकास विशेषज्ञ के क्षेत्र में कार्यपालक निदेशक संदीप कुमार कर को, मोटिवेशन गुरु के क्षेत्र में मुख्य महाप्रबंधक अनुप कुमार दत्ता को तथा डिजिटलीकरण मास्टर माइंड के क्षेत्र में एसपी-3 के महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय को सम्मानित किये जाने की घोषणा की गई है।

कार्यपालक निदेशक संदीप कुमार कर जो पूर्व में पुरस्कार के लिए शीर्ष समिति द्वारा विचार किए जाने के समय बीएसपी में सीजीएम (क्वालिटी व अतिरिक्त प्रभार-एसएमएस-3) के रूप में कार्यरत थे, ने बाजार में सेल को मजबूती प्रदान करने हेतु नवीन तकनीक की शुरूआत के लिए 'अनुसंधान और विकास विशेषज्ञ' श्रेणी के तहत पुरस्कार के लिए चयनित किये गये हैं। एस के कर ने 1175 एचटी रेल के विकास और अनुमोदन (आरडीएसओ से) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सतही अनुप्रयोगों के लिए भारतीय नौसेना को लगभग 35000 टन डीएमआर 249 ए जहाज निर्माण गुणवत्ता प्लेटों की आपूर्ति करने के लिए मिधानी एमडीएन 250 फोर्ज्ड प्लेटों के 3 लॉट (115 टन) के सफल रूपांतरण रोलिंग में मदद की। इसके अलावा आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार एनएबीएल मान्यता उनके नेतृत्व में मैकेनिकल टेस्टिंग लैब-2, सीसीएल और रिसर्च एंड कंट्रोल लैब के मेटलोग्राफी अनुभागों को बिना किसी परामर्श के दी गई थी।

मुख्य महाप्रबंधक (एसपी) श्री ए के दत्ता ने वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान गुमनाम नायकों के काम को मान्यता देने, महीने के साथी, कर्मचारी जन्मदिन समारोह, 'योग से निरोग' पर योग कार्यशालाएं आदि के लिए विभिन्न अभिनव कर्मचारी जुड़ाव और प्रेरणा कार्यक्रम शुरू किए हैं। महाप्रबंधक सौरभ वार्ष्णेय ने अपने कार्य क्षेत्र में कई इडस्ट्री 4.0 परियोजनाएं शुरू की हैं जो सिंटर प्लांट-3 के काम करने के तरीके और प्रदर्शन में परिवर्तनकारी बदलाव लाएंगी। कोड आधारित ड्राइंग रिट्रीवल सिस्टम, इंटेलिजेंट एमसीसी और ड्राइव पर उपलब्ध जानकारी का उपयोग करके रखरखाव योजना, समर्पित सेंसर का उपयोग करके विद्युत ड्राइव के लिए पूर्व-विफलता अलर्ट आदि शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950